RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 5 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 26-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 विद्यार्थियों के संघर्ष, न्याय एवं सत्य की जीत : डोटासरा

6 आतंकवादियों को बेनकाब कर नापाक इरादे नाकाम किए

7 बाढ़ प्रभावित असम को मदद की जरूरत : भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शनिवार को धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। जोशी को उनके उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर प्रधान का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने कैबिनेट मंत्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का निर्देश दिया है। इससे पहले देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के बाद प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। प्रदर्शनकारियों ने नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी।

सीरिया में दो बसों के बीच टक्कर में कम से कम 35 लोगों की मौत

दमिश्क/एपी। सीरिया की राजधानी दमिश्क को पूर्वी प्रांत दीर अल जूर से जोड़ने वाले एक राजमार्ग पर दो बसों के बीच टक्कर के कारण कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह खबर दी। समाचार एजेंसी 'सना' ने स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि यात्री बस और गृह मंत्रालय की बस के बीच हुई इस टक्कर में लगभग 30 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर जारी बचाव अभियान में सीरियाई सेना के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

बौद्ध स्थल सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश स्थित भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को शनिवार को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में जारी संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र की बैठक के दौरान लिया गया। यूनेस्को ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नया नामांकन : प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, भारत।'' सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला भारत का 45वां स्थल है। अगस्त 2025 में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि भारत ने 2025-26 के नामांकन चक्र के लिए यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र को प्राचीन बौद्ध स्थल, 'सारनाथ' शीर्षक वाला दस्तावेज भेजा है।

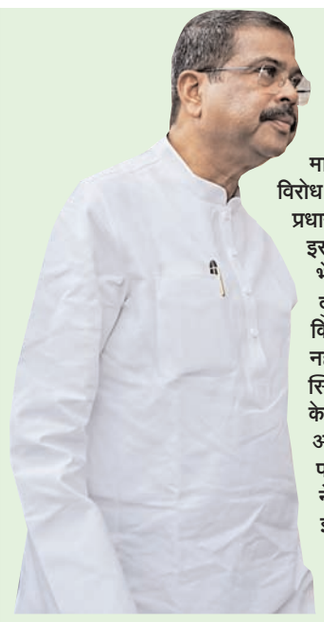

धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर नई दिल्ली के जंतर मंतर समेत देशभर में जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा। प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।'' प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने लिखा, जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर ध्यान केंद्रित करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। प्रधान ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के दिल्ली में जारी आंदोलन के मद्देनजर इस्तीफा दिया है। कॉजपा परीक्षा प्रणाली में सुधार, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शन कर रही है और प्रधान का इस्तीफा उसकी प्रमुख मांगों में शामिल था।

प्रधान का इस्तीफा ईमानदारी के उच्चतम मानदंडों को दर्शाता है : भाजपा अध्यक्ष नवीन

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का हटने का फैसला सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के ''उच्चतम मानकों'' को दर्शाता है और पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है। नवीन ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तौर पर प्रधान ने भारत के शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने और अहम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को सफलतापूर्वक लागू करने के साथ-साथ अन्य पहल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भाजपा अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बड़े हितों को प्राथमिकता देते हुए, उनका (प्रधान) पद छोड़ने का फैसला सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के उच्चतम मानकों को दर्शाता है।

छात्रों की जीत हुई, अब सरकार को हटाने का वक्त आ गया है : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत करार देते हुए कहा कि अब इस सरकार को हटाने का वक्त आ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी को देश के सभी छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और छात्रों के खिलाफ कथित बर्बरता के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधान के इस्तीफे के बाद संवाददाताओं से बातचीत में गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को पूरे समर्थन के साथ आगे बढ़ाया और पार्टी भारत के छात्रों की रक्षा तथा देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उनके साथ खड़ी है। गांधी ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था, जिसकी कभी दुनिया भर में प्रशंसा होती थी, पिछले कुछ वर्षों में कब्जे'' में ले ली गई है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने ''दीमक बनकर'' इसे खोखला कर दिया है।

सरकार ने कॉजपा की सभी मांगें मानीं

आंदोलन समाप्त; अगले दौर की बातचीत चार हफ्ते बाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार द्वारा संगठन की सभी मांगें मान लिए जाने के बाद नीट विवाद को लेकर 36 दिन से जारी अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। कॉजपा ने कहा कि दोनों पक्ष परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों पर काम करने के लिए चार हफ्ते बाद फिर मिलेंगे। कॉजपा प्रवक्ता सौरव घोष ने देशभर में सभी जगहों पर अपना विरोध-प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रधान के इस्तीफे के अलावा सरकार नीट विवाद को लेकर कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा देने और दिल्ली सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित सभी राज्यों में दर्ज प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने पर भी सहमत हो गई है। दास ने सरकार के वार्ताकारों केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, कॉजपा इस आश्वासन और समझ के साथ आंदोलन वापस लेने की घोषणा करती है कि तय शर्तों को निर्धारित समयसीमा के भीतर लागू किया जाएगा। कॉजपा ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और 20 मार्च को संगठन के संसद चलो' मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को वापस लिए जाने की मांग की थी। कॉजपा ने शनिवार दोपहर शिक्षा मंत्री के पद से प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के बाद यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। यह कॉजपा और सरकार के बीच चौथी आधिकारिक बैठक थी। इसमें केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व नड्डा और सिंह ने किया, जबकि कॉजपा प्रतिनिधिमंडल में दास के अलावा आशुतोष रांका शामिल थे।

नड्डा ने कहा कि कॉजपा के प्रतिनिधि बैठक में एक लिखित मसौदा लेकर आए थे, जिसमें उन्होंने आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों से जुड़े कुछ बिंदु रखे हैं। उन्होंने कहा कि कॉजपा ने (मसौदे में) बाकी मांगें भी उठाई हैं, जिनमें कोई जवाबी कार्रवाई न किया जाना, मुआवजा दिया जाना और संगठन के पांच-सूत्री चार्टर पर विचार किया जाना शामिल है। नड्डा ने कहा, हमने इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के बाद पहला निर्णय यह लिया गया कि कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी और कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी। अगर दिल्ली पुलिस या भाजपा शासित राज्यों में कोई प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है, तो उसे वापस ले लिया जाएगा।

संस्कार भाषणों से नहीं सिखाए जाते : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जब युवा असफल होते हैं, तो उन्हें आलोचना के बजाय भावनात्मक सहारे की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि संस्कार भाषणों से नहीं सिखाए जा सकते, बल्कि माता-पिता और बड़ों के आचरण को देखकर ही उन्हें अपनाया जाता है। भागवत ने कहा, आजकल 'आईक्यू' और 'ईक्यू' की बात होती है। असल में 'इमोशनल कोशेंट' (ईक्यू या भावनात्मक समझ) ही मायने रखता है। सिर्फ 'इंटेलिजेंस कोशेंट' (आईक्यू या बौद्धिक क्षमता) काफी नहीं है। हमने ऐसे बहुत से होनहार लोगों को देखा है, जो जिंदगी में नाकाम हो जाते हैं, क्योंकि वे मुश्किलों या असफलताओं का सामना नहीं कर पाते। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से निपटने के मामले में खुद मिसाल बनें, क्योंकि बच्चे घर पर जो देखते हैं, उसी को अपनाते हैं।

भागवत ने विश्वमांगल्य सभा की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में युगानुकूल मातृत्व' विषय पर अपने भाषण के बाद सवाल-जवाब सत्र में कहा कि माता-पिता को शुरुआती वर्षों में बच्चों के चरित्र-निर्माण पर ध्यान देना चाहिए और जैसे-जैसे वे बड़े हों, उन्हें धीरे-धीरे ज्यादा आजादी देनी चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा, 'मूल्य थोपे नहीं जा सकते। ये बड़ों के आचरण को देखकर स्वाभाविक रूप से अपनाए जाते हैं। इन्हें सिर्फ इसलिए नहीं अपनाया जाता कि कोई कहे, यह अच्छा है, इसलिए इसे करो।' ये देखने और अपनाने से ही किसी के चरित्र का हिस्सा बनते हैं। बच्चों की परवरिश के पारंपरिक भारतीय तरीके का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, हमारे बुजुर्ग कहते थे कि पांच साल की उम्र तक बच्चों के साथ छोटे राजा-रानी जैसा बर्ताव करना चाहिए; पांच से 16 साल की उम्र के बीच उन्हें सही ढंग से अनुशासन सिखाना चाहिए; और 16 साल के बाद उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस उम्र तक युवाओं में स्वतंत्र रूप से सोचने और समझने की क्षमता विकसित हो जाती है।

बचाव

भारी बारिश के बाद शुक्रवार को गुजरात के नवसारी जिले के मेंदार गांव में राहत अभियान के दौरान बाढ़ में घिरी इमारत की छत से फंसे हुए निवासियों को बचाते भारतीय तटरक्षक बल के जवान।

'सुना बेषा' में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को 208 किलोग्राम सोने के आभूषण पहनाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथयात्रा उत्सव के हिस्से के तौर पर शनिवार को होने वाली 'सुना बेषा' रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को लगभग 208 किलोग्राम सोने के गहनों से सजाया जा रहा है।

मंदिर के पदाधिकारियों के अनुसार, भक्त शनिवार को शाम पांच बजे से रात 11 बजे तक रथों पर विराजमान इन तीनों देवताओं के सुनहरे रूप के दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस रस्म के दौरान देवताओं को लगभग 30 अलग-अलग तरह के गहने पहनाए जाते हैं, जिनमें सोना, हीरा, चांदी और अन्य कीमती धातुएं शामिल हैं। श्री जगन्नाथ संस्कृति के लेखक और शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि पुरी के देवताओं को 'सुना बेषा' से सजाने की परंपरा 1460 में राजा कपिलेंद्र देव के समय से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में 'सुना बेषा' में गहनों के लगभग 138 डिजाइन इस्तेमाल किए जाते थे हालांकि, बाद में इन चीजों की संख्या कम हो गई। मिश्रा ने 'सुना बेषा' में इस्तेमाल होने वाले सोने के बारे में पूछे जाने पर बताया कि सोने, हीरे, चांदी, कीमती पत्थरों और अन्य चीजों से बने गहनों का कुल वजन लगभग 208 किलोग्राम है। उन्होंने कहा, लेकिन, गहनों में इस्तेमाल हुए सोने की सही मात्रा बताना मुश्किल है क्योंकि गहने बनाते समय उनमें दूसरी धातुएं भी मिलाई जाती हैं। मिश्रा ने कहा, ओडिशा में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के दौरान 'सुना बेषा' में सोने के गहनों के इस्तेमाल के रिकॉर्ड मंदिर प्रशासन के पास मौजूद हैं लेकिन इस रस्म में इस्तेमाल हुए सोने के वजन का कोई जिक्र नहीं है।

जंतर-मंतर पर हुए पथराव में विशेष पुलिस आयुक्त, दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की घोषणा के तुरंत बाद शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के एक समूह द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर कथित रूप से पथराव किए जाने के बाद एक विशेष पुलिस आयुक्त समेत तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद सुरक्षाबलों को स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों के एक समूह के कथित तौर पर हिंसक होने और सुरक्षाकर्मियों पर पथराव करने के बाद यह झड़प शुरू हुई। पुलिस ने बताया कि विशेष शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त अनिल शुक्ला अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की चूक को रोकने के प्रयासों में सबसे आगे थे।

सूत्रों ने बताया कि जब पुलिस अधिकारी व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदर्शनकारियों के करीब पहुंचे, तो कुछ प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए, जबकि एक अन्य समूह ने बिना किसी उकसावे के कथित रूप से पथराव शुरू कर दिया। विशेष पुलिस आयुक्त पथराव के दौरान घायल हो गए और पुलिस दलों द्वारा उन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में दो अन्य पुलिस अधिकारी भी घायल हुए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि उनकी स्थिति स्थिर है। पथराव के कारण प्रदर्शन स्थल पर थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने तथा स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और हल्का लाठीचार्ज किया। सूत्रों ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने तुरंत प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेल दिया, जिससे थोड़े ही समय में स्थिति सामान्य हो गई।

पुलिस ने कहा कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जंतर-मंतर तथा उसके आसपास पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात है। सूत्रों ने बताया कि झड़पें समाप्त होने के बाद भी वरिष्ठ अधिकारी जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी करते रहे जबकि एहतियाती उपाय के तौर पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। पुलिस ने पथराव की घटना की जांच शुरू कर दी है और पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों की पहचान के लिए उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने अब तक नई दिल्ली जिले के विभिन्न थानों में 15 प्राथमिकी दर्ज की हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

प्रधान का इस्तीफा सरकार के लिए छात्रों के भविष्य के सबसे अहम होने का सबूत : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए देश के छात्रों तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सबसे अहम है। प्रधान ने नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर नयी दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देशभर में जारी छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच शनिवार को अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री मोदी को भेज दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि पिछले 10 दिन के घटनाक्रम से उनका मन बेहद दुखी है और यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।

राजनाथ ने कहा कि प्रधान ने देश के युवाओं और छात्रों की राय एवं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह इस्तीफा इस बात का सबूत है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हमारी सरकार के लिए हमारे छात्रों एवं युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सबसे अहम है। राजनाथ ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), प्रश्नपत्र लीक और शिक्षा प्रणाली में जरूरी सुधारों को लेकर छात्रों की चिंताओं का पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ समाधान कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता यह है कि हम अपने छात्रों की वास्तविक चिंताओं को समझें, उनका तुरंत समाधान करें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें पता हो कि उनकी बात सुनी जा रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे युवा और छात्र अब पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई, सपनों और लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा एक मजबूत, समृद्ध एवं विकसित भारत के निर्माण में अहम योगदान देंगे।

26-07-2026 सूर्यास्त 6:38 बजे | 27-07-2026 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
76,391.39	23,767.45
(-331.62)	(-102.15)

सोना	चांदी
14,927 रु.	240,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जब तक

जिसमें लय सुर भाव न हो तो,
उसको अच्छा गीत न मानो।
मजबूरी में किये कार्य को,
स्थापित कोई रीत न मानो।
दिल से साथ नहीं हो कोई,
उसको अपना मीत न मानो।
जब तक सिस्टम ना सुधरे तो,
इस्तीफे को जीत न मानो।।

सहज स्मृति योग

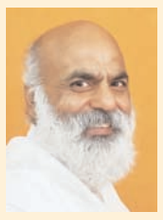

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, गुरु पूर्णिमा आ रही है तो आप गुरु तत्व पर ही कुछ प्रकाश डालिए।मनुष्य को गुरु रूप में कोई मनुष्य चाहिए ही क्यों और यदि नहीं चाहिए तो क्यों नहीं चाहिए ?

उत्तर: सूरज (प्रकाश-स्रोत) पर कोई कैसे प्रकाश डाले? गुरु-तत्व तो स्वयं प्रकाशित अवस्था, व्यवस्था, व्यक्तित्व और कृतित्व है। मानव हृदय में तात्विक ज्ञान और उसकी चेतना में ईश्वरीय अनुभूति का मार्ग गुरु से प्रकाशित होता है। इसलिए, जब कोई परमेश्वर का अस्तित्व स्वीकार करता है तब उसे अपने जीवन में गुरु का संग चाहिए होता है इस अखंड-अटूट सम्बन्ध-क्रम को गुरु-परम्परा कहा जाता है। जो परमेश्वर का अस्तित्व स्वीकार नहीं कर पाते उन्हें गुरु भी नहीं मिलते।क्योंकि, जिन्होंने ईश्वरीय प्रकाश ही नहीं स्वीकार पाया, उन्हें गुरु क्यों चाहिए? चैतन्य में एक ही रहता है या तो अहंकार या फिर गुरु ।

शौर्य संध्या और मोटरसाइकिल पर करतब

सेना ने कारगिल के नायकों के सम्मान में कई कार्यक्रम शुरू किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्रास/भाषा। ऑपरेशन 'विजय' की 27वीं वर्षगांठ के मौके पर 25-26 जुलाई को कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस के सम्मान में शौर्य संध्या' का आयोजन, 'लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड' की संगीतमय प्रस्तुति और 'श्वेत अश्व' टीम का मोटरसाइकिल के जरिये करतब दिखाना शामिल है।

कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र द्रास स्थित मशहूर कारगिल युद्ध स्मारक होगा। ये कार्यक्रम कई जगहों पर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें द्रास सेक्टर की एक अग्रिम चौकी वाला इलाका 'सैंडो टॉप' शामिल है। इस आयोजन की शुरुआत ऑपरेशन 'विजय' की वर्षगांठ से एक दिन पहले शनिवार को होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह मौका 1999 की उस शानदार जीत की याद दिलाता है, जब भारतीय सैनिकों ने बर्फ से ढकी चोटियों और पाक सैनिकों की लगातार गोलीबारी का सामना करते हुए बेमिसाल साहस और अटूट संकल्प के साथ कारगिल की चोटियों पर फिर से नियंत्रण हासिल किया था। शनिवार सुबह 'युद्ध संस्मरण' कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके तहत 17 मिनट की एक यादगार क्लिप दिखाई जाएगी, जिसमें कारगिल के उन 40 बहादुर सैनिकों को सम्मान दिया जाना था जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया था। अधिकारियों ने बताया कि इस मौके पर फॉरएवर इन ऑपरेशन्स डिवीजन' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल अमित प्रकाश सिंह, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक, 'वीरांगनाएं' और 'वीर माताएं' मौजूद रहेंगी। वर्ष 1999 में पड़ोसी देश की घुसपैठ के बाद भारत ने 'ऑपरेशन विजय' चलाया था। कारगिल विजय दिवस, 26 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' के सफल समापन की याद में मनाया जाता है।

जम्मू कश्मीर में दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा छह दिन बाद फिर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। वार्षिक अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण छह दिन तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से फिर शुरू हो गई तथा 6,000 से अधिक तीर्थयात्री जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग जिले के 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग पर लगातार बारिश तथा खराब मौसम के कारण यात्रा 19 जुलाई को एहतियातन स्थगित कर दी गई थी।

ये दोनों मार्ग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर तक जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार और जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग फिर से खुलने के बाद यात्रा बहाल की गई। उधमपुर-रामबन मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन और पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग तीन दिन तक बंद रहा था।

शनिवार सुबह हल्की बारिश के बीच सैकड़ों तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों से गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए। जम्मू से 1,470 महिलाओं, 25 बच्चों और 54 साधुओं समेत कुल 6,269 तीर्थयात्रियों का 18वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच 223 वाहनों के काफिले में शनिवार तड़के दो बजकर 40 मिनट पर भगवती नगर आधार शिविर से बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

प्रधान का इस्तीफा युवा शक्ति और लोकतंत्र की बड़ी जीत : शरद पवार

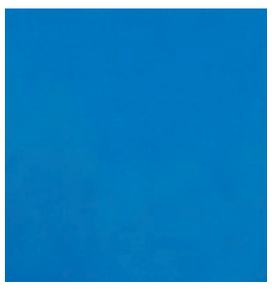

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश में युवा शक्ति की एकजुटता और लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है।

पवार ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार 28 दिनों तक युवाओं द्वारा दिखाया गया संघर्ष और दृढ़ संकल्प वास्तव में सराहनीय है। पवार ने एक बयान में कहा, ''प्रदर्शनकारियों की मांग के जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आखिरकार आज इस्तीफा दे दिया। अन्याय के खिलाफ बिना डरे और बिना झुके डटकर संघर्ष किया तथा सरकार को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। यह देश में युवा शक्ति की एकता की एक बड़ी जीत है।'' विरोध स्थल का दौरा कर चुके शरद पवार ने समर्थन देने के लिए विपक्षी दलों के सांसदों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रमुख नेताओं ने देश के युवाओं को नैतिक और संसदीय, दोनों स्तरों पर भरपूर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की जीत हुई है और इसका श्रेय निस्संदेह युवा पीढ़ी को जाता है। प्रधान का इस्तीफा दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच आया है। प्रदर्शनकारी 'नीट-यूजी 2026' प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई की 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर उनकी जवाबदेही तय करने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में व्यापक सुधारों की मांग कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिन के घटनाक्रम के कारण वह काफी दुखी हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''मैंने पहले दिन से ही नीट प्रश्नपत्र लीक की जिम्मेदारी ली है।''

अभिजीत दीपके के माता-पिता ने ली राहत की सांस, कहा- 'अब चाहते हैं कि वह घर लौट आए'

मुंबई/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में असाधारण अभियान के परिणामस्वरूप केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार को उनके माता-पिता की महीनों पुरानी चिंता राहत और खुशी में बदल गई।

अभिजीत की मां अनीता दीपके ने अपने आंसू रोकते हुए कहा, ''मैं उससे जल्दी घर आने को कहूंगी। अगर वह नहीं आया, तो हम जाकर उसे वापस लाएंगे। मैं उसे कसकर गले लगाऊंगी और उसकी आरती उतारूंगी। पिछली बार जब वह यहां आया था, तो उसने यह कहते हुए मुझे आरती उतारने से रोक दिया था कि वह कोई खास व्यक्ति नहीं है।'' महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहर में अपने घर पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, ''मैं बेहद खुश हूं। उसकी ईमानदारी की जीत हुई है। युवाओं के समर्थन ने उसकी मदद की और उसने एक बड़ी जीत हासिल की।''

दीपके के भारत लौटकर आंदोलन शुरू करने के समय से उनकी मां चिंतित थीं। अनीता ने कहा कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉजपा का आंदोलन शुरू होने के बाद वह सो भी नहीं पाती थीं। अनीता ने कहा, ''मैं हर समय चिंतित रहती थी। मेरी रातें बिना सोए बीतती थीं। हर सुबह, मैं अपना फोन देखने से भी डरती थी कि कहीं कोई परेशान करने वाला वीडियो न देख लूं। मैं तुरंत उसके दोस्तों को फोन करके पूछती थी कि वह सुरक्षित है या नहीं।''

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने अपनी पुस्तक में जीवन के 100 अनकहे किस्से साझा किए

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने अपनी नई पुस्तक में अपने जीवन के 100 ऐसे प्रसंग साझा किए हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि देश की संस्थाएं किस तरह काम करती हैं, फैसले कैसे लिए जाते हैं और भारतीय शासन-व्यवस्था जैसी जटिल प्रणाली में लोग किस प्रकार अपनी भूमिका निभाते हैं। कुरैशी की पुस्तक 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज़, नॉट ए मेमॉयर' का शुक्रवार शाम यहां आयोजित एक समारोह में विमोचन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आत्मकथा लिखने के बजाय ऐसी पुस्तक लिखना बेहतर समझा, क्योंकि उनके अनुसार वह इतने महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं हैं कि अपनी आत्मकथा लिखें। उन्होंने कहा, यह बनावटी विनम्रता नहीं, बल्कि मेरे मन की सच्ची भावना है। फिर भी, मेरे जीवन में ऐसे कई अनुभव और यादें हैं, जिन्हें साझा किया जाना चाहिए। यह विचार सबसे पहले मेरे मन में प्रतिष्ठित शिक्षाविद और कवि नवाज देवबंदी ने डाला था।''

कुरैशी ने कहा, 'एक रात करीब 11 बजे उनका फोन आया। उन्होंने कहा, कुरैशी साहब, आपने बहुत अच्छा काम किया है। मेरा सुझाव है कि आप अपने जीवन के 100 अलग-अलग प्रसंगों पर एक किताब लिखिए।' उनका यह सुझाव मेरे मन में घर कर गया और इसी ने इस पुस्तक का आधार तैयार किया। हैशेट इंडिया द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में कुरैशी ने अपने जीवन के सौ रोचक प्रसंगों के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान सामने आए घटनाक्रम, दुविधाओं और अप्रत्याशित मोड़ों का जीवंत चित्रण किया है। पुस्तक में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों का भी बेबाक उल्लेख किया है। कुरैशी 1971 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी बने। बाद में उन्हें देश का 17वां मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया।

फिर शुरू हुई वैष्णो देवी यात्रा

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुट पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रा शनिवार को आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गई। खराब मौसम के कारण यह यात्रा करीब एक हफ्ते से स्थगित थी। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के बावजूद श्राइन बोर्ड ने भूस्खलन के खतरे वाले संवेदनशील स्थानों पर कर्मचारियों की तैनाती सहित व्यापक सुरक्षा उपाय किए, जिसके बाद तीर्थयात्रियों को पारंपरिक मार्ग से यात्रा करने की अनुमति दे दी गई। उन्होंने बताया कि लगातार हो रही बारिश और पहाड़ी से पत्थर गिरने के खतरे के मद्देनजर नया मार्ग बंद रहा।

एहतियात के तौर पर हेलीकॉप्टर और बैटरी कार सेवाएं भी निलंबित रहीं। मौसम की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और सुरक्षा आकलन के आधार पर ही शेष सेवाओं को फिर से बहाल करने पर निर्णय लिया जाएगा। तीर्थयात्रा फिर से शुरू होने से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। इनमें से कई श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने के लिए कई दिनों से कटरा आधार शिविर में इंतजार कर रहे थे।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उनके सार्वजनिक जीवन की जवाबदेही का परिचायक : प्रमोद सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उनके चार दशक लंबे सार्वजनिक जीवन में दिखाई गई जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना का ही परिचायक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने में धर्मेंद्र प्रधान के नेतृत्व की देश की शिक्षा व्यवस्था पर स्थायी छाप रहेगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेतृत्व में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच आया।

प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर उनकी जवाबदेही तय करने और परीक्षाओं के संचालन में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। सावंत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने के बाद केंद्रीय मंत्री के रूप में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हुए प्रधान ने ''दृढ़ विश्वास और अथक ऊर्जा'' के साथ देश की सेवा की।

ओएनजीसी ने महानदी बेसिन में पहले गहरे समुद्री खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल-गैस कंपनी ओएनजीसी ने शनिवार को ओडिशा तट के पास महानदी अपतटीय बेसिन में अपने पहले गहरे समुद्री खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू कर दी।

यह भारत में गहरे और बहुत गहरे समुद्री हाइड्रोकार्बन संसाधनों के दोहन के लिए एक महत्वाकांक्षी अभियान की शुरुआत माना जा रहा है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने एक बयान में कहा कि उसने सरकार के 'समुद्र मंथन' मिशन के तहत एमएन-डीडब्ल्यू18-1-एच-डी नामक खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू की है। यह कुआं ओडिशा तट से दूर कोणार्क खोज क्षेत्र से लगभग 23 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। हाल के उत्कल और कोणार्क खोजों ने महानदी अपतटीय बेसिन में हाइड्रोकार्बन संभावनाओं को मजबूत किया है और यह ड्रिलिंग अभियान उसी दिशा में आगे की कड़ी है। कंपनी ने कहा कि यह पहल देश के अपतटीय तेल और गैस भंडार के अन्वेषण को तेज करने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस संबोधन में देश की अप्रयुक्त अपतटीय हाइड्रोकार्बन क्षमता के दोहन पर जोर दिया था। इसी दृष्टि के अनुरूप सरकार ने करीब 10 लाख वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्रों को अन्वेषण के लिए खोल दिया है, जिससे मुक्त क्षेत्र लाइसेंस नीति (ओएएलपी) के आगामी चरणों में नए ब्लॉकों की पेशकश का रास्ता साफ हुआ है।

नासिक में 50 मिनट के भीतर चार बार भूकंप के झटके

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार को 50 मिनट के अंतराल में चार बार भूकंप आया जिसकी अधिकतम तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि इसमें किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके सुरगाणा तालुका के बोरगांव क्षेत्र में महसूस किए गए जहां पिछले कुछ दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है। यहां बीते 24 घंटे में 164.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजकर 55 मिनट से 50 मिनट के भीतर चार बार भूकंप आया, जिसकी अधिकतम तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तहसीलदार को मौके का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, जिले में बारिश की तीव्रता में कमी आई है। अधिकारियों के अनुसार, गंगापुर बांध से गोदावरी नदी में छोड़े जा रहे पानी के प्रवाह में कमी की गई है, हालांकि पानी छोड़ा जाना अब भी जारी है। दूसरी ओर, जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा के कारण गौतमी-गोदावरी बांध से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा बढ़ा दी गई है।

मध्यप्रदेश में कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगढ़/भाषा। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में एक तेज रफ्तार कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह हादसा राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर खुजनेर थानाक्षेत्र में भीलखेड़ी मोड़ के पास हुआ।

थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कार पचोर से खुजनेर की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की जान गयी है, वे पड़ोसी शाजापुर जिले के अरन्या गांव के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने लोगों की मदद से राहत अभियान शुरू किया और बांध से डूबी हुई गाड़ी को बाहर निकाला। ठाकुर ने बताया कि मौके पर ही सभी पांच लोग मृत पाए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हादसे की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

जम्मू अदालत ने पाक स्थित आतंकी आका को 21 अगस्त तक पेश होने का निर्देश दिया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा-पार एक आतंकी आका को एक विशेष अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित करने के आदेश पर शनिवार को रियासी जिले में कार्रवाई की। अदालत ने उसे वर्ष 2022-23 में कटरा और नरवाल में हुए दोहरे बम विस्फोटों के मामले में 21 अगस्त तक पेश होने का निर्देश दिया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि वांछित आतंकवादी मोहम्मद कासिम उर्फ 'सलमान' रियासी जिले के अंगराला गांव का निवासी है और उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 के तहत भगोड़ा घोषित किया गया है। यह कार्रवाई जम्मू के तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के आदेश के अनुपालन में की गई, जो एनआईए अधिनियम के तहत विशेष अदालत है। उन्होंने बताया यह आदेश महोर पुलिस थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक प्राथमिकी से संबंधित है।

टीडीबी ने कंदरारु ब्रह्मदत्तन को अयप्पा मंदिर का तंत्री नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) ने शनिवार को शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के तंत्री (मुख्य पुजारी) के रूप में कंदरारु ब्रह्मदत्तन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी।

वह इस पद पर अपने पिता कंदरारु राजीवारु का स्थान लेंगे। बोर्ड ने एक बयान में बताया कि यह निर्णय उसके तिरुवनंतपुरम स्थित मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में लिया गया। बयान के अनुसार, थझामोन मडोम के सदस्य कंदरारु ब्रह्मदत्तन परंपराओं के अनुसार मलयालम महीने 'चिंगम' के पहले दिन तंत्री का पदभार ग्रहण करेंगे। चिंगम मलयालम कैलेंडर का पहला महीना है, जो आमतौर पर मध्य अगस्त से मध्य सितंबर के बीच पड़ता है। बयान के अनुसार, चिंगम फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है और इसे शुभ महीना समझा जाता है। केरल का सबसे बड़ा पर्व ओणम भी इसी महीने मनाया जाता है। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मदत्तन का कार्यकाल मलयालम कैलेंडर के अनुसार कर्किडकम महीने के 31वें दिन तक रहेगा। बैठक में टीडीबी के अध्यक्ष के. जयकुमार तथा बोर्ड के सदस्य के. राजू और पी. डी. संतोष कुमार मौजूद थे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि राजीवारु ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए टीडीबी को पत्र लिखकर शबरिमला में तंत्री के दायित्वों से उन्हें मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था। उनका यह अनुरोध ऐसे समय आया था जब भगवान अयप्पा मंदिर में कथित रूप से सोना गायब होने के मामले में उनका नाम सामने आया था और इस मामले में उन्हें कुछ समय जेल में भी रहना पड़ा था।

विजयन ने वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री सतीशन पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) संशोधित वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का प्रावधान लागू करने पर सहमति देकर संघ परिवार की ''सेवा'' कर रहे हैं। विजयन ने आरोप लगाया कि यूडीएफ और सतीशन ने संघ परिवार के एजेंडे के आगे खुलेआम ''आत्मसमर्पण'' कर दिया है और अब वे उसी की राह पर चल रहे हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता ने संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री की हालिया टिप्पणियों के जवाब में यह आरोप लगाए। मुख्यमंत्री सतीशन ने विजयन पर वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों के मुद्दे पर सांप्रदायिक बयान देकर मुस्लिम समुदाय को यूडीएफ सरकार के खिलाफ भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। हाल में संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा था, विपक्ष के नेता ने सांप्रदायिकता फैलाने और मुस्लिम समुदाय को सरकार के खिलाफ करने के लिए भ्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणियां की हैं। इस मुद्दे पर सरकार को बदनाम करने के विपक्ष के नेता या माकपा के ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

विजयन ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि यूडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री ने केरल को संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करने वाला पहला राज्य बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह स्पष्ट रूप से संघ परिवार की सेवा है और इसे सभी ने देखा है। इसी कारण मुख्यमंत्री मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं। एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) सरकार ने हमेशा संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री रहते हुए भी मेरा यही रुख था और आज भी मैं उसी पर कायम हूं।'' उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में केरल विधानसभा ने वक्फ अधिनियम में संशोधन का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके बावजूद मौजूदा यूडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री ने संघ परिवार के एजेंडे के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। विजयन ने सवाल किया, ''क्या कांग्रेस के किसी मुख्यमंत्री को भारतीय जनता पार्टी जैसा रुख अपनाना चाहिए?''

पीएमके संस्थापक रामदास ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लिया, जिम्मेदारी अंबुमणि को सौंपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने शनिवार को अपने 88वें जन्मदिन के अवसर पर सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीतिक मामलों में शामिल नहीं होंगे और पार्टी का नेतृत्व अब उनके बेटे पीएमके अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास करेंगे।

यह घोषणा रामदास के टिंडीवनम स्थित थाईयूर एस्टेट में आयोजित जन्मदिन समारोह के दौरान की गई, जहां अंबुमणि रामदास दिन में पहले अपने पिता से आशीर्वाद लेने के लिए उनसे मिलने आए थे। यह अवसर पिता और पुत्र की महीनों से चली आ रही तनावपूर्ण संबंधों के बाद एक दुर्लभ सार्वजनिक उपस्थिति थी, जिसने पार्टी के भीतर अनिश्चितता पैदा कर दी थी।

पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए रामदास ने 88 वर्ष की आयु में 'राजनीतिक त्याग' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज से मैं राजनीति पर बात नहीं करूंगा। मैं राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। अब से राजनीति की जिम्मेदारी अंबुमणि संभालेंगे। मुझसे मिलने आने वाले हर व्यक्ति से मैं मिलता रहूंगा। हम एक-दूसरे का हालचाल पूछ सकते हैं, लेकिन मुझसे राजनीति की बात न करें। कृपया अब मुझे राजनीतिक मामलों से परेशान न करें। उनके इस ऐलान का पार्टी कार्यकर्ताओं ने तालियों से स्वागत किया।

यह घोषणा रामदास और अंबुमणि के बीच लंबे समय से चल रहे और चर्चित मतभेद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसने हाल के महीनों में पीएमके को विभाजित कर दिया था। पार्टी की संगठनात्मक संरचना, नेतृत्व शैली और निर्णय लेने के तरीकों को लेकर मतभेदों के कारण पिता और पुत्र के बीच खुले तौर पर असहमति हो गई थी, और पार्टी के भीतर प्रतिद्वंद्वी गुट उभर आए थे।

आंतरिक कलह ने पीएमके की भविष्य की दिशा और चुनावी रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए थे, जिसके चलते वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बार-बार सुलह की अपील की। हालांकि दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि मतभेद पार्टी के आंतरिक मामले हैं, लेकिन इस विवाद ने वन्नियार स्थित इस राजनीतिक दल में संभावित विभाजन की अटकलों को हवा दी थी। दोनों पक्षों के समर्थकों ने भी एक-दूसरे के विरोध में प्रदर्शन किए, जिससे मतभेद की गहराई और भी स्पष्ट हो गई। शनिवार को जन्मदिन समारोह और अंबुमणि की उपस्थिति में रामदास द्वारा की गई घोषणा को व्यापक रूप से युवा नेता को राजनीतिक जिम्मेदारी के प्रतीकात्मक हस्तांतरण और महीनों से चले आ रहे आंतरिक मतभेद को समाप्त करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सभी दलों के नेताओं ने डॉ. रामदास को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके लंबे सार्वजनिक जीवन तथा तमिलनाडु में पीएमके को एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया। उनकी सेवानिवृत्ति तमिलनाडु की राजनीति में चार दशकों से अधिक के एक युग के अंत का प्रतीक है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का कार्यालय छह दशकों बाद

ऐतिहासिक फोर्ट सेंट जॉर्ज से दूसरी जगह होगा स्थानांतरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सचिवालय में एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को ऐतिहासिक फोर्ट सेंट जॉर्ज परिसर में स्थित अपने लंबे समय से चले आ रहे कार्यालय से नामक्कल कविग्नर मालिगई (एनकेएम) में स्थानांतरित किया जाएगा। नए परिसर को तैयार करने के लिए तेजी से नवीनीकरण कार्य चल रहा है।

यह स्थानांतरण सचिवालय के कामकाज में वर्ष 2011 के बाद सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक माना जा रहा है। उस समय दिवंगत जे. जयललिता के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक सरकार ने प्रमुख विभागों को दोबारा फोर्ट सेंट जॉर्ज में स्थानांतरित किया था, जिससे पहले द्रमुक सरकार द्वारा नए निर्मित ओमंदुरार गवर्नमेंट एस्टेट से सचिवालय संचालित करने का निर्णय पलट दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले का मुख्य कारण मौजूदा मुख्यमंत्री कार्यालय में जगह की भारी कमी है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के पदभार संभालने के बाद उनसे मिलने आने वाले अधिकारियों, आगंतुकों और विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों की बढ़ती संख्या के कारण वर्तमान कार्यालय पर काफी दबाव था। हालांकि इस स्थानांतरण को लेकर अन्य कारणों को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इसका उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और आगंतुकों के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री अब तक फोर्ट सेंट जॉर्ज की मुख्य इमारत की पहली मंजिल से कामकाज कर रहे थे, जहां मुख्यमंत्री कार्यालय पिछले छह दशकों से अधिक समय से संचालित हो रहा है। नई योजना के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय को नामक्कल कविग्नर मालिगई की 10वीं मंजिल पर स्थापित किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस स्थानांतरण की तैयारियां शुरू कर दी हैं। नया मुख्यमंत्री कार्यालय 10वीं मंजिल पर स्थित मौजूदा भोजन कक्ष में

बनाया जाएगा, जो सम्मेलन कक्ष के ठीक बगल में स्थित है। इसके लिए भोजन कक्ष में मौजूद फर्नीचर, फिक्स्चर और अन्य बुनियादी ढांचे को हटाकर कलैवानार अरंगम स्थानांतरित किया जा रहा है, ताकि नए कार्यालय के लिए जगह बनाई जा सके। इस बदलाव के चलते 10वीं मंजिल पर संचालित कई सरकारी विभागों को भी स्थानांतरित करना होगा।

सूचना एवं तमिल विकास विभाग, गृह (निषेध) विभाग और वाणिज्यिक कर विभाग के कुछ अनुभागों को मुख्यमंत्री कार्यालय की स्थापना के लिए दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सूचना एवं तमिल विकास विभाग को कलैवानार अरंगम में स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि अन्य विभागों को फोर्ट सेंट जॉर्ज सचिवालय परिसर के भीतर ही अन्य स्थानों पर समायोजित किया जाएगा। 10 मंजिला सचिवालय एनेक्स नामक्कल कविग्नर मालिगई वर्तमान में 34 सरकारी विभागों के सचिवों और विभिन्न अनुभागों का कार्यालय है, जिससे यह राज्य के सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्रों में से एक माना जाता है।

इस भवन का निर्माण पार्सन फाउंडेशन एंड इंजीनियरिंग कंपनी ने किया था और इसका उद्घाटन वर्ष 1975 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने किया था। इसके बाद से इस भवन का कई बार नवीनीकरण किया जा चुका है। प्रस्तावित स्थानांतरण को तमिलनाडु सचिवालय के प्रशासनिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। पिछले दो दशकों में सचिवालय कई बार स्थानांतरित हो चुका है।

इनमें सबसे प्रमुख बदलाव वर्ष 2010 में हुआ था, जब डीएमके सरकार ने सचिवालय को ओमंदुरार गवर्नमेंट एस्टेट परिसर में स्थानांतरित किया था। हालांकि, एक वर्ष बाद सत्ता में आई एआईएडीएमके सरकार ने सचिवालय को फिर से फोर्ट सेंट जॉर्ज में वापस ले आई और ओमंदुरार परिसर को बहु-विशेषता सरकारी अस्पताल में बदल दिया।

रामोहल्ली गेट पर आरयूबी का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे में रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने श्रम और रोजगार तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे के साथ मिलकर शुक्रवार को बेंगलूरु के रामोहल्ली गेट पर लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 16 की जगह बनाए गए नए 'रोड अंडर ब्रिज' (आरयूबी) का उद्घाटन किया। इस मौके पर बोलते हुए मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि रामोहल्ली गेट पर आरयूबी की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है और नया आरयूबी बेंगलूरु के आसपास कई महत्वपूर्ण जगहों तक कनेक्टिविटी को काफी बेहतर बनाता है। रेल मंत्रालय कर्नाटक में 61 रेलवे स्टेशनों को एस्केलेटर, लिफ्ट, फुट ओवर ब्रिज और यात्रियों के अनुकूल अन्य सुविधाओं के साथ अपग्रेड कर रहा है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए।

सोमन्ना ने कहा कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में तेज़ी लाने के लिए, रेल मंत्रालय ने राज्य सरकार के साथ लागत साझा करने के बजाय पूरी लागत खुद उठाकर 'रोड ओवर ब्रिज' (आरओबी) और 'रोड अंडर ब्रिज' (आरयूबी) प्रोजेक्ट्स को हाथ में लिया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए बेंगलूरु कैंटोनमेंट और यशवंतपुर स्टेशनों के पुनर्विकास को भी उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सोमन्ना ने आगे कहा कि गदग-वाडी, तुमकुरु-रायदुर्ग और मारिकुप्पम-कुप्पम जैसे लंबे समय से लंबित रेलवे लाइन प्रोजेक्ट्स में तेज़ी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु-कोलार सीधी रेलवे लाइन भी पाइपलाइन में है। इस मौके पर विधान परिषद के सदस्य टी.एन. जवारायी गौड़ा; अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कतारकी; 'प्रजावाणी' के कार्यकारी संपादक रवींद्र भट और अन्य लोग मौजूद थे।

नीट विरोधी धरना छठे दिन भी जारी, 28 जुलाई को आंदोलन में शामिल होंगे चिकित्सक

चेन्नई। तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के खिलाफ प्रदर्शन शनिवार को और तेज हो गए तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के टी नगर स्थित राज्य मुख्यालय 'बालन इल्लम' में धरना छठे दिन भी जारी रहा। छात्रों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादतियों पर कार्रवाई की मांग की है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने लोयोला कॉलेज, प्रेसीडेंसी कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों के परिसरों में प्रदर्शन किए। तमिलनाडु के चिकित्सक और मेडिकल छात्र भी 28 जुलाई को राज्य भर में समन्वित विरोध प्रदर्शन करेंगे। डॉक्टर्स एसोसिएशन फॉर सोशल इक्रेलिटी' और तमिलनाडु मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन' ने नई दिल्ली में जारी नीट विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में आंदोलन का आह्वान किया है।

नीट विवाद

तमिलनाडु के मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के बिजली मंत्री निर्मल कुमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का शनिवार को स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) मुद्दे को लेकर छात्रों के नेतृत्व में हुए शांतिपूर्ण और लगातार जारी प्रदर्शनों की बड़ी जीत बताया। हालांकि, कुमार ने आगाह किया कि केवल एक इस्तीफा अस्थायी राहत भर है और इससे मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में व्याप्त मूल संकट का समाधान नहीं होता।

निर्मल कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस्तीफे का इस्तेमाल केंद्र सरकार जारी प्रदर्शनों को दबाने या जवाबदेही से बचने के लिए नहीं करे। उन्होंने कहा, यह इस्तीफा छात्रों की एकजुटता का परिणाम है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि ''पिछले तीन वर्षों से हजारों अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में मौजूद व्यवस्थागत खामियों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा है।'' मंत्री ने शिक्षा सुधार को लेकर अपनी सरकार के रुख को दोहराते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से शिक्षा नीतियों और प्रवेश परीक्षाओं से जुड़े सभी अधिकार राज्यों को वापस सौंपने का आग्रह किया। निर्मल कुमार ने कहा कि राज्य सरकारें क्षेत्रीय शैक्षणिक जरूरतों को बेहतर ढंग से संभाल सकती हैं और शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाना देशभर के छात्रों के लिए दीर्घकालिक और व्यवहारिक समाधान है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ए एम शाहजहां ने कहा, इसे इस बड़े जन और छात्र आंदोलन की ऐतिहासिक जीत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) द्वारा आयोजित बड़े प्रदर्शन और विभिन्न राज्यों में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय मंत्री ने आज इस्तीफा दिया। उन्होंने केंद्र से नीट को समाप्त करने की मांग की।

चेन्नई के अस्पताल में एक आरोपी ने अन्य आरोपी की पीट-पीटकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

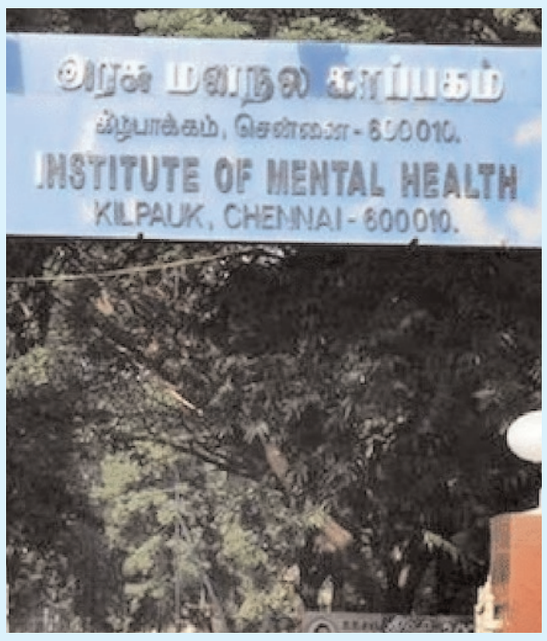

चेन्नई। चेन्नई के किलपॉक स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ) में अदालत के आदेश पर मनोरोग उपचार करा रहे 27 वर्षीय हत्या के एक आरोपी की एक अन्य मरीज ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। अस्पताल के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान कोयंबटूर जिले के पोल्लाची निवासी जाकिर के रूप में हुई है। उसे बोलने में कुछ कठिनाई होती थी।

जाकिर को वर्ष 2024 में अलीयार उद्यान में एक बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण पोल्लाची की एक अदालत के आदेश पर जाकिर को नवंबर 2024 में इलाज के लिए किलपॉक मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में भर्ती कराया गया था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी अरविंदसामी (19) तेनकासी जिले का रहने वाला है। वह अपनी ही मां की हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। इसके बाद, अदालत के आदेश पर उसे भी इलाज के लिए उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस के अनुसार, दोनों मरीजों के बीच पिछले कुछ समय से तनाव बना हुआ था। संस्थान में शौचालय की नियमित सफाई के दौरान उनके बीच अक्सर विवाद होता रहता था। यह विवाद 20 जुलाई को तब अपने चरम पर पहुंच गया, जब दोनों के बीच बहुत तीखी बहस हो गई।

पुलिस ने बताया कि विवाद के बाद अरविंदसामी ने जाकिर के सिर और चेहरे पर लगातार मुक्कों से मारा। इसके बाद गंभीर रूप से घायल जाकिर को तुरंत इलाज के लिए स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान बृहस्पतिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

सचिवालय कॉलोनी थाना पुलिस ने इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अरविंदसामी को कड़ी निगरानी में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में ही रखा जाएगा।

कावेरी विवाद : विजय के प्रस्तावित कर्नाटक दौरे की किसान संगठनों, राजनीतिक दलों ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दशकों पुराने कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान तलाशने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के साथ द्विपक्षीय वार्ता का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, उनके इस कदम की राज्य के किसान संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों ने तीखी आलोचना की है। मुख्यमंत्री विजय कावेरी जल विवाद पर चर्चा के लिए तीन अगस्त को बेंगलूरु जाएंगे। इस संबंध में उन्होंने शिवकुमार को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था, जिस पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने सहमति दे दी है।

सूत्रों के अनुसार, 1970 और 1980 के दशक में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. जी. रामचंद्रन ने कर्नाटक के साथ सीधे संवाद का रास्ता अपनाया था। उन्होंने अपने व्यक्तिगत संबंधों और राजनीतिक सद्भाव के बल पर न्यायिक प्रक्रिया से इतर तत्काल पानी छोड़े जाने पर सहमति कायम कराई थी। सूत्रों का कहना है कि राजनीतिक परंपराओं से हटकर किए गए उनके अचानक कर्नाटक दौरे भी तमिलनाडु के हित में कारगर साबित हुए और राज्य को समय पर कावेरी का पानी मिल सका।

इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए तमिलनाडु के कृषि मंत्री आर. विनोद ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री विजय लंबित कावेरी जल विवाद और प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना पर द्विपक्षीय वार्ता के लिए तीन अगस्त को बेंगलूरु जाएंगे। कुंभकोणम में उन्होंने कहा, ''कर्नाटक सरकार ने मुख्यमंत्री विजय को राज्य के दौरे के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा है।'' मेकेदातु बांध परियोजना पर तमिलनाडु के कड़े रुख को दोहराते हुए राज्य के कृषि मंत्री ने कहा, ''हम शुरू से ही इस परियोजना का विरोध करते आए हैं। हम किसी भी कीमत पर इसका क्रियान्वयन नहीं होने देंगे।'' यह निमंत्रण कर्नाटक की हालिया पहल के बाद आया है। 18 जून को डी. के. शिवकुमार ने राजनीति से परे मेकेदातु मुद्दे पर किसी भी समय मुख्यमंत्री विजय से चर्चा करने की इच्छा जताई थी। इसके बाद 20 जून को कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने भी कहा था कि यदि तमिलनाडु तैयार हो, तो उनका राज्य द्विपक्षीय वार्ता के लिए तैयार है। कई वर्षों बाद यह पहला अवसर होगा, जब तमिलनाडु का कोई मुख्यमंत्री कावेरी मुद्दे पर द्विपक्षीय वार्ता के लिए कर्नाटक जाएगा। इससे पहले, कांग्रेस के साथ गठबंधन में होने के बावजूद तत्कालीन द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार यह मानती रही थी कि कर्नाटक के साथ सीधी वार्ता से कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा और इस विवाद का समाधान केवल न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही संभव है। इस बीच, पी. आर. पांड्यन के नेतृत्व वाले तमिलनाडु कावेरी किसान संघ ने इस पहल का विरोध किया है। संगठन का कहना है कि वैधानिक व्यवस्था से बाहर होने वाली कोई भी वार्ता उच्चतम न्यायालय द्वारा स्थापित कानूनी तंत्र को कमजोर करेगी। संगठन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वह कर्नाटक से 77,87 करोड़ लीटर पानी दिलाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं। यह मांग पहले द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन भी उठा चुके हैं। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास ने भी मेकेदाटू बांध परियोजना पर कर्नाटक के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत का विरोध किया है। उच्चतम न्यायालय ने 2018 के अपने फैसले में दोनों राज्यों के बीच जल बंटवारे को विनियमित और लागू करने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) तथा कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) का गठन किया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार एक जून से 22 जुलाई 2026 के बीच तमिलनाडु को 87,782 करोड़ लीटर पानी मिलना था, लेकिन उसे केवल 9,910 करोड़ लीटर पानी मिला।

Job Recruitment
आवश्यकता है कंपनी के लिए
दर्जी, मास्टर एवं कढ़ाई
करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता है।
स्थान: OMR, थोराईपक्कम,
चेन्नई
संपर्क करें - 9962977751
रहने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

एस्टर डीएम क्वालिटी केयर 1,315 करोड़ रुपए का कर्नाटक में करेगी निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। अस्पतालों का संचालन करने वाली कंपनी एस्टर डीएम क्वालिटी केयर ने कर्नाटक में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए 1,315 करोड़ रुपये के दीर्घकालिक निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एस्टर डीएम क्वालिटी केयर के कार्यकारी चेयरमैन आजाद मूपेन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच हुई बैठक के दौरान यह निवेश प्रतिबद्धता जताई गई।

मूपेन ने कहा, भारत में एस्टर की वृद्धि में कर्नाटक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह हमारे लिए सबसे रणनीतिक बाजारों में से एक बना हुआ है। राज्य स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार के मामले में अग्रणी है। यहां पर 1,315 करोड़ रुपये का प्रस्तावित निवेश कर्नाटक के प्रति हमारे दीर्घकालिक भरोसे को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि कंपनी स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा को मजबूत करने, उन्नत चिकित्सा सेवाओं तक लोगों की पहुंच बढ़ाने, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने और राज्य के लोगों के स्वास्थ्य संबंधी परिणामों में सुधार के लिए कर्नाटक सरकार के साथ साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है। एस्टर डीएम क्वालिटी केयर 10,600 से अधिक बिस्तरों की क्षमता वाले कुल 39 अस्पतालों का संचालन करती है। इनमें से चार अस्पताल कर्नाटक में हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई- निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या / कार्य का नाम:** गति-शक्ति / एस एण्ड टी / जेपी / 2026-27/06 उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर:-जयपुर मण्डल के बीबास स्टेशन पर मौजुदा पैनल इन्टरलॉकिंग की जगह इलेक्ट्रोनिक इन्टरलॉकिंग लगाने और साथ ही आस-पास के ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग के साथ इन्टरफेसिंग करने से सम्बन्धित दूर संचार का कार्य, **अनुमानित लागत रूपये:** 107743091.61, **बयाना राशि रूपये:** 2154900/-, 1. उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड - मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा स. गति-शक्ति/ एस एण्ड टी/जेपी/2026-27/06 की बन्द होने की तिथि 17.08.26 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 17.08.26 समय 16.00 बजे।
1062-PS/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राजस्थान बना निवेशकों की पहली पसंद, औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा राज्य : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय में पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया पीएएफआई के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय संवाद बैठक में कहा कि राजस्थान आज लैंड ऑफ अपॉर्च्युनिटीज के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी, सरल एवं निवेशक-अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है।बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा राज्य की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं, आधारभूत संरचना तथा उद्योग-अनुकूल नीतियों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, एआई-एमएल, डाटा सेंटर, रक्षा विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, टेक्सटाइल तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तृत नेटवर्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तथा दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर से जुड़ाव निवेशकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग की गई साथ ही अन्य एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। पिछले ढाई वर्षों में 40 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं तथा औसतन प्रत्येक तीन सप्ताह में एक नया औद्योगिक पार्क विकसित किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग छह औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया जा रहा है, जिससे निवेशकों को शीघ्र भूमि उपलब्ध हो रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 30 से अधिक सेक्टर-विशिष्ट नीतियां लागू कर उद्योगों के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के माध्यम से निवेशकों को राज्य करों की प्रतिपूर्ति, पूंजीगत अनुदान तथा अन्य आकर्षक प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे राज्य में निवेश और अधिक प्रतिस्पर्धी बना है। मुख्य सचिव ने निवेशकों को निजी औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए बताया कि पीपीपी मॉडल के तहत निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी से आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने पात्र निवेशकों से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन करने को कहा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुगम एवं डि-रेगुलेशन सुधारों के माध्यम से उद्योगों के लिए अनुमतियों की प्रक्रिया को अत्यंत सरल बनाया है। सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए 190 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं, लैंड यूज चेंज की समय-सीमा 30 दिन कर दी गई है, एमएसएमई स्वीकृतियों में तेजी लाई गई है तथा 247 औद्योगिक एवं व्यावसायिक संचालन जैसी अनेक सुधारात्मक पहलें लागू की गई हैं।

मुख्य सचिव ने पीएएफआई के प्रतिनिधियों को दिसम्बर 2026 में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस तथा जयपुर एवं उदयपुर में प्रस्तावित रिवर्स बायर-सेलर मीट में सक्रिय सहभागिता के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि इन आयोजनों से वैश्विक निवेशकों एवं राजस्थान के उद्योग जगत के बीच नए व्यापारिक अवसर विकसित होंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं राजकीय उपक्रम तथा रीको के अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने राज्य की औद्योगिक उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों, रीको द्वारा विकसित औद्योगिक आधारभूत संरचना, संयुक्त उपक्रमों एवं साझेदारी आधारित विकास मॉडल तथा निर्यात प्रोत्साहन पहलों से राजस्थान देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए 3,200 करोड़ रुपए की स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप नीतिगत सुधार निरंतर किए जा रहे हैं।

खतरनाक वायरस से दो बच्चियों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक खतरनाक वायरस से संक्रमित दो बच्चियों की मौत के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने डूंगरपुर, सिरोही और आस-पास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है तथा मच्छर-मक्खी से फैलने वाली बीमारियों को रोकने के उपाय तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार यह यह कदम तब उठाया गया जब प्रयोगशाला की रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि राज्य की जिन दो बच्चियों की मौत गुजरात में इलाज के दौरान हुई वे खतरनाक 'चांदीपुरा वायरस' (सीएचपीवी) से संक्रमित पाई गई थीं।

उन्होंने बताया कि ये डूंगरपुर ज़िले के रतनपुरा गांव की छह साल की लड़की और सिरोही ज़िले की दो साल की लड़की हैं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों की मौत गुजरात के अस्पतालों में हुई और 'गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर' ने उनके संक्रमण की पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि उसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित गांवों का दौरा किया, 15 साल से कम उम्र के बच्चों की जांच की तथा इस वायरस को फैलने से रोकने के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया। अधिकारियों के अनुसार रतनपुरा की छह साल की लड़की की मौत 15 जुलाई को हुई थी और 23 जुलाई को प्रयोगशाला रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि वह इस वायरस से पीड़ित थी।

स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य टीम ने रतनपुरा गांव में 75 घरों का सर्वे किया और बच्चों की लक्षणों के लिए जांच की लेकिन अब तक कोई संदिग्ध मामला नहीं मिला है। अधिकारियों के मुताबिक सिरोही की दो साल की एक लड़की की कुछ दिन पहले गुजरात में इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिसके बाद विभाग ने सियावा और आस-पास की आदिवासी बस्तियों में सर्वे और 'वेक्टर-कंट्रोल' अभियान शुरू किया। स्वास्थ्य टीम ने इलाकों में लगभग 600 घरों का सर्वे किया और 15 साल से कम उम्र के बच्चों की विशेष स्वास्थ्य जाच की। अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में अब तक इस वायरस का कोई संदिग्ध मामला नहीं मिला है।

सुशासन एवं जनकल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिला स्थित विधानसभा क्षेत्र लूणी के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग और पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक शनिवार को पंचायत समिति लूणी के सभागार में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्तमान जलापूर्ति स्थिति, टैंकर व्यवस्था, समर कंटिंजेंसी कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना, विद्युत आपूर्ति, ट्रिपिंग की समस्या और आरडीएसएस की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में सुशासन और जनकल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा विधानसभा क्षेत्र लूणी के अंतिम गांव और ढाणी तक पेयजल और विद्युत की समुचित आपूर्ति की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

पटेल ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के रिप्लेसमेंट, क्षेत्र के ट्यूबवेल और हैंडपंप की रिपोर्ट प्रस्तुत करने, माँग के अनुरूप कंटेंजेंसी सप्लाई करने और विभिन्न विकास कार्यों को तय समयावधि पूर्ण करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। विधि मंत्री ने समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित के लिए व्यापक कार्य योजना बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अभियान चलाकर अवैध कनेक्शन काटने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने लीकेज सुधारने, सीडब्ल्यूआर एवं एसआर की भराव क्षमता और तकनीकी रूप से भराव समयावधि की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने और सीडब्ल्यूआर, एसआर और जीएलआर की नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

पटेल ने डिस्कॉम के अधिकारियों को क्षेत्र में ट्रिपिंग की समस्या को सुधारने, आरडीएसएस योजना के कार्यों को गति देने, एफआरटी की नियमित मॉनिटरिंग करने और सहज दृश्य स्थानों पर हेल्पलाइन नंबर के प्रचार- प्रसार के लिए होर्डिंग लगाने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने क्षेत्र के सभी राजकीय विद्यालयों, महा विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों और स्वास्थ्य केन्द्रों में पेयजल एवं विद्युत कनेक्शन देने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने डिस्कॉम के अधिकारियों को जिन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास होना है, उनकी अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री ने राजस्व विभाग और पंचायती राज विभाग के विकास कार्यों और विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा ग्रामीण सेवा शिविर के तहत आयोजित हो रहे फ़ॉलो अप शिविर में आमजन के कार्यों का शत- प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करें।

मेघवाल की पहल पर चूरू में होगा यूएनसीसीडी कोप-17 का प्री-कोप संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर चूरू में यूएनसीसीडी कोप-17 का प्री-कोप का आयोजन किया जाएगा। 'ए कंट्री ऑफ द गंग कैनाल : लैंड, वाटर एंड क्लाइमेट रेसिलियंस इन द थार डेजर्ट' विषय पर राष्ट्रीय स्तर का संवाद गंगनहर की स्थापना के शताब्दी वर्ष (19272027) के अवसर पर आयोजित होगा। इस दौरान भूमि पुनर्स्थापन, जल प्रबंधन, मरुस्थलीय पारिस्थितिकी, घासभूमि संरक्षण एवं जलवायु सहनशीलता पर देश के अग्रणी वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया लाएगा।

इस कार्यक्रम की संकल्पना अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकॉलॉजी एंड द एनवायरनमेंट (एटीआरईई) तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों से की गई है। कार्यक्रम 26 जुलाई को प्रातः 9:15 बजे से सायं 5:30 बजे तक चूरू के ग्रैंड शेखावाटी होटल में आयोजित किया जाएगा।

मेघवाल ने बताया कि थार मरुस्थल के मध्य स्थित चूरू देश के सर्वाधिक जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में है।

विश्व प्रसिद्ध ताल छापर की घासभूमि एवं समृद्ध जैव विविधता इसे इस आयोजन के लिए उपयुक्त पृष्ठभूमि प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि वर्ष-2026 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय रेंजलैंड एवं पशुपालक वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक वर्ष में आयोजित यह प्री-कोप संवाद थार की घासभूमियों, रेंजलैंड संरक्षण, पशुपालक समुदायों, सतत भूमि प्रबंधन और जलवायु सहनशीलता के मुद्दों को वैश्विक प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए विशेष महत्व प्राप्त करता है।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मरुस्थलीकरण प्रकोष्ठ के डीआईजी प्रशांत राजगोपाल लैंड डिग्रेजेशन न्यूट्रैलिटी लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। राजस्थान के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी. अरुण प्रसाद उद्घाटन में संबोधन देंगे। इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य वक्तव्य देंगे। मेघवाल अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों की सामाजिक एवं पारिस्थितिक विरासत पर आधारित विशेष कलाकृति का लोकार्पण करेंगे।

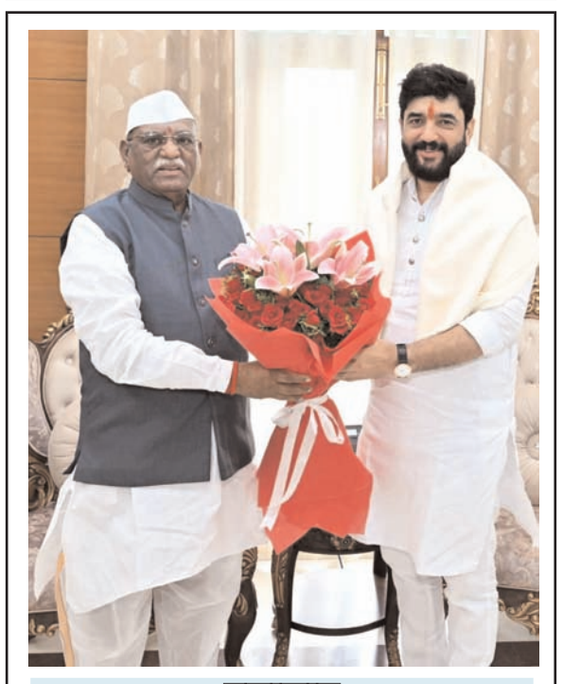

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शनिवार को लोकभवन में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने मुलाकात की। इस दौरान सहकारिता से समृद्धि आलोक में दोनों ने राज्य और राष्ट्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की।

विद्यार्थियों के संघर्ष, न्याय एवं सत्य की जीत : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को विद्यार्थियों के संघर्ष, न्याय एवं सत्य की जीत बताया। कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा, यह भारत के विद्यार्थियों के संघर्ष, न्याय और सत्य की जीत है। जंतर-मंतर पर पिछले एक महीने से ज्यादा संघर्ष, लाठियां खाने, बर्बरता सहने और सड़कों पर डटे रहने वाले भारत के युवाओं की हुंकार के आगे आखिरकार देश की बहरी मोदी सरकार को झुकना ही पड़ा।

डोटासरा के अनुसार प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है कि जनशक्ति के आगे तानाशाही नहीं टिक सकती।

उन्होंने कहा कि युवाओं के न्याय की इस लड़ाई में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सड़क से लेकर संसद तक उनकी आवाज बनकर जो डटकर संघर्ष किया, आज उस न्याय की भी जीत हुई है। प्रधान ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक विवाद को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मामला नहीं है।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, धर्मेंद्र प्रधान का तुरंत इस्तीफा स्वीकार होना चाहिए। जिन बच्चों पर लाठीचार्ज हुआ, बर्बरता की गई, उनसे तथा जिन बच्चों ने आत्महत्या की, उनके माता-पिता से प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के छात्रों की गूंज कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि सबसे पहले देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी राहुल गांधी ने ही उठाई थी।

जूली ने कहा कि लंबे समय तक देश के युवाओं ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया और आखिरकार सरकार को देश के युवाओं की ताकत के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह युवाओं की जीत है, छात्रों की जीत है कि पहली बार किसी मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

प्रधान का इस्तीफा लोकतंत्र की जीत, तानाशाही की हार : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत तथा तानाशाही की हार करार दिया। उन्होंने कहा कि लाखों विद्यार्थियों के संघर्ष की आज जीत हुई है तथा भारी दबाव के आगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को झुकना पड़ा है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मामला नहीं है।

गहलोत ने अपनी प्रतिक्रिया में

कहा, जवाबदेही से भागने वाली मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग के साथ प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ राहुल गांधी एवं लाखों विद्यार्थियों के संघर्ष की आज जीत हुई है। उन्होंने कहा, भारी दबाव के आगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को झुकना पड़ा है और अंततः शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा है।

गहलोत ने एक बयान में कहा कि राहुल गांधी ने आज ही फिर दोहराया था कि प्रधान को बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,यह इस लोकतंत्र की ताकत है कि तानाशाही करने वाली सरकार को देश की मांग के आगे झुकना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार यह इतिहास में दर्ज हो गया कि कैसे विद्यार्थियों पर 'पैलेट गन' चलाने जैसी बर्बरता हुई और विद्यार्थियों की आवाज बुलंद करने वाले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कैसे घसीटा गया।

उन्होंने कहा, आज लोकतंत्र की जीत हुई और तानाशाही की हार हुई है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली इस अंधी-बहरी सरकार को जनता माफ नहीं करेगी और हमारा यह संघर्ष विद्यार्थियों को न्याय मिलने तक जारी रहेगा।

भूपेन्द्र यादव ने खाटू श्याम मंदिर में विधिवत पूजाअर्चना की

जयपुर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को अलवर जिले के रामगढ़ स्थित खाटू श्याम मंदिर में बाबा श्याम के दर्शन एवं पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा ग्राम टोडली स्थित उदासीन मंगल आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में शिरकत कर पूज्य महंत ब्रह्ममुनि महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि बाबा श्याम का मंदिर लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था के केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करते हैं। उन्होंने आश्रम में श्रीमद्भागवत कथा पाठ का श्रवण कर कहा कि श्रीमद्भागवत कथा से प्राप्त आध्यात्मिक संदेश समाज में प्रेम, सेवा, सद्भाव और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

होटल की खिड़की से बच्ची पिछोला झील में गिरी, मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक होटल की खिड़की से एक बच्ची गलती से पिछोला झील में गिर गई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बच्ची की पहचान दो साल धीमही के रूप में हुई है जो अपने माता-पिता के साथ पिछोला झील के किनारे जगत निवास होटल में ठहरी थी।

पुलिस का कहना है कि नयी दिल्ली के फतेहपुर बेरी के सोनू सिंह तंवर (34) अपनी पत्नी डॉ. मोनिका (29) और अपनी बेटी धीमही के साथ उदयपुर आए थे। पुलिस ने कहा, शनिवार सुबह यह परिवार नाश्ते के लिए होटल की दूसरी मंज़िल पर बने रेस्टोरेंट में गया था। जैसे ही माता-पिता नाश्ता लेने के लिए बढ़े, बच्ची पिछोला झील की ओर खुलने वाली पारंपरिक खिड़की से फिसलकर पानी में गिर गई। पुलिस के अनुसार होटल के कर्मचारी और वहां मौजूद अन्य लोग बच्ची को बचाने के लिए दौड़े और उसे झील से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि बच्ची को एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर नई दिल्ली के जंतर मंतर समेत देशभर में जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच शनिवार को अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेज दिया। प्रधान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।''

प्रधान ने कहा कि उन्होंने पहले दिन से ही जिम्मेदारी ली है और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। प्रधान ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के दिल्ली में जारी आंदोलन के मद्देनजर इस्तीफा दिया है। कॉजपा परीक्षा प्रणाली में सुधार, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शन कर रही है। प्रधान का इस्तीफा कॉजपा की प्रमुख मांगों में शामिल था। मंत्री ने कहा कि वह पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं और उनका सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए उनका आभार प्रकट करता हूं।'' प्रधान ने कहा कि तीन

मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं का सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सीबीआई को जांच सौंपी और परीक्षा को रद्द किया तथा पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) मोड में करने का निर्णय लिया गया। प्रधान ने कहा, ''इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों ने मिलकर काम किया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावकों और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।'' उन्होंने कहा, ''मैंने पहले ही दिन से इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की भविष्य की संभावना को परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।'' प्रधान ने कहा कि 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली लेकिन इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ। उन्होंने कहा, ''मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूं तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूं। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।'' प्रधान ने कहा, ''पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मामला मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।'' उन्होंने भारत की युवाशक्ति को देश की असली ताकत बताते हुए कहा कि उनका युवाओं को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं'' देने का संकल्प है। प्रधान ने कहा, ''जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर ध्यान केंद्रित करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री को भेज दिया है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए ''हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त'' करते हुए कहा, ''मैं मंत्रिपरिषद के अपने सभी सम्मानित सहयोगियों, मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करता हूं जिनके साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं इसके लिए सदैव समर्पित रहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''प्रभु श्रीजगन्नाथ के आशीर्वाद से मैं भविष्य में भी भारत माता, ओडिशा की जनता तथा देश के युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर संभव रूप में स्वयं को समर्पित रखूंगा।''

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर जश्पन का माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्न पत्र लीक विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार को जंतर-मंतर स्थित विरोध प्रदर्शन स्थल पर जश्न का माहौल देखने को मिला। प्रदर्शनकारी नाचते-गाते, तिरंगा लहराते और 'वंदे मातरम' का उद्घघोष करते दिखे। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों को एक-दूसरे को गले लगाते और मंच पर देशभक्ति गीत 'चक दे, इंडिया' की धुन पर नाचते हुए देखा गया।

मंत्री के इस्तीफे का जश्न मनाते हुए कई लोगों ने डॉ. बीआर अंबेडकर की तस्वीरें और पोस्टर हाथ में ले रखे थे। उन्होंने इस इस्तीफे को अपने आंदोलन की जीत बताया। 'कॉजपा' के संस्थापक अभिजीत दीपके ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह इस्तीफा लोकतांत्रिक विरोध की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने भीड़ से कहा, वे कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। हम कहते हैं कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। दीपके ने कहा कि प्रधान के इस्तीफे के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने परीक्षा विवाद से जुड़े मामलों में आत्महत्या करने वाले बच्चों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की और 20 जुलाई को विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के व्यवहार के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दीपके ने भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा, अगर आपने हमें कॉकरोच' नहीं कहा होता, तो मैं भारत वापस नहीं आता। अगर आपने हमें 'कॉकरोच' नहीं कहा होता, तो देश के युवा सड़कों पर नहीं उतरते। अगर आपने हमें 'कॉकरोच' नहीं कहा होता, तो धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता। इन बातों पर वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं, जबकि विरोध स्थल पर कड़ी सुरक्षा के बीच जश्न जारी रहा। प्रधान ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देते हुए कहा कि नीट प्रश्न पत्र लीक का मामला उनके लिए 'व्यक्तिगत प्रतिष्ठा' का सवाल नहीं था और उन्होंने 'पहले दिन' से ही इस मुद्दे की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने लोगों को देश-विरोधी ताकतों से भी सावधान किया, जो इस स्थिति का फायदा उठा सकती हैं।

दक्षिण त्रिपुरा में घर के भीतर एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। दक्षिण त्रिपुरा जिले में एक दंपति सहित एक ही परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान शंकर चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी छबी (49) और उनके छोटे बेटे कृष्ण (27) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि शंकर और छबी चक्रवर्ती के शव खून से लथपथ मिले और उनके शरीर पर धारदार हथियार की चोटों के कई निशान थे, जबकि कृष्ण का शव उनके घर में छत से फंदे से लटका हुआ पाया गया।

उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दीप्तनु दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना पश्चिम मुहुरीपुर गांव में हुई। यह मामला उस समय सामने आया जब दंपति का बड़ा बेटा मिथुन चक्रवर्ती शुक्रवार को घर लौटा और उसने दरवाजे तथा खिड़कियां अंदर से बंद पाईं। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। अधिकारी ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम शनिवार को किया जाएगा।

उन्होंने कहा, घटना के कारणों का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मौत के असल कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक निष्कर्षों और घटनास्थल से एकत्र किए गए अन्य सबूतों की जांच के बाद ही चल पाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दिल्ली के अब सभी मेट्रो स्टेशन खोल दिए गए हैं : डीएमआरसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार शनिवार को दोपहर बाद खोल दिए गए। हालांकि अन्य 15 स्टेशन के प्रवेश द्वार बंद हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने लगातार चौथे दिन मेट्रो स्टेशन बंद करने का आदेश जारी किया था।

बाद में इसने कहा कि राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास द्वार अब फिर से खोल दिए गए हैं, जबकि इन स्टेशनों से गाड़ी बदलने की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जिन स्टेशनों पर पाबंदियां जारी हैं, उनमें लोक कल्याण मार्ग, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम, झंडेवालान और नई दिल्ली शामिल हैं। इन स्टेशनों को सायं 6.30 बजे खोल दिया गया है। दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशन अब खुल गए हैं।

वांगचुक ने प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताया

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताते हुए इसका श्रेय देशभर में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन और लोगों की भागीदारी को दिया। वांगचुक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लोकतंत्र की जीत, प्रत्यक्ष लोकतंत्र... जो सीधे सड़कों से निकला है। उन्होंने इसे शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत बताया और नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन में भाग लेने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा), देश की 'जेन-जेड' और आम लोगों को बधाई दी।

चंपत राय के हस्ताक्षर वाले पहचान पत्र और प्रवेश-पत्र अस्थायी रूप से फिर मान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के हस्ताक्षर वाले पहचान पत्र और प्रवेश-पत्र अंतरिम व्यवस्था के तहत फिर से मान्य कर दिए गए हैं जिन्हें हाल में अमान्य घोषित कर दिया गया था। मंदिर से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय राम मंदिर में जारी निर्माण और रखरखाव कार्यों को बाधित होने से बचाने के लिए लिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस अस्थायी व्यवस्था के तहत अधिकृत कर्मचारियों, अभियंताओं और तकनीकी अधिकारियों को नई प्रवेश-पत्र व्यवस्था लागू होने तक पुराने पहचान पत्रों के आधार पर

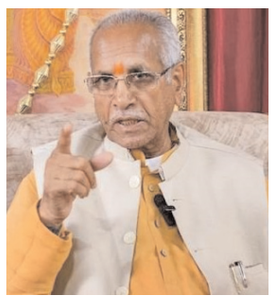

मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। यह कदम ट्रस्ट के नेतृत्व में बदलाव के बाद चंपत राय के हस्ताक्षर वाले पहचान पत्रों के आधार पर प्रवेश पर रोक लगाए जाने के कुछ दिन बाद उठाया गया है।

मंदिर के सूत्रों के अनुसार, इस प्रतिबंध का असर चारदीवारी, संग्रहालय, ट्रस्ट कार्यालय और विश्राम गृह सहित विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं की निगरानी और समन्वय पर पड़ने लगा था, इसी कारण यह अंतरिम व्यवस्था लागू की गई। यह घटनाक्रम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर उठे विवाद और उसके बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में हुए बदलाव के बीच सामने आया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बाद में चंपत राय ने ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी अपना पद छोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार, प्रशासनिक बदलाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रवेश-पत्र के लिए नई व्यवस्था लागू की जा सकती है।

महिलाओं के सक्षम होने का मतलब यह नहीं कि उन पर हर जिम्मेदारी डाल दी जाए : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि महिलाएं सक्षम हैं, उन पर हर जिम्मेदारी नहीं डाल दी जानी चाहिए। भागवत ने साथ ही कहा कि परिवार को एक टीम की तरह कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार में जिम्मेदारियों का बंटवारा होना चाहिए और यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महिलाओं की आकांक्षाएं कहीं खो न जाएं।

शुक्रवार को यहां विश्वमांगल्य सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'युगानुकूल मातृत्व' विषय पर व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि घर की जिम्मेदारियों में पुरुषों की भागीदारी भी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां महिलाओं को समान सम्मान और सहयोग मिले। उन्होंने कहा, ''जैसा कि मैंने पहले भी कहा, सभी 18 जिम्मेदारियां केवल महिला पर नहीं डाली जानी चाहिए। आज के समय में काम का बंटवारा होना चाहिए। यदि पूरा परिवार एक टीम की तरह काम करे, तो यह पूरी तरह संभव है।'' भागवत ने कहा कि शांति और संतोष तभी मिलता है, जब व्यक्ति वह कर सके जो वह वास्तव में करना चाहता है। परिवार को आपसी सहमति से अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए और सामंजस्य बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''परिवार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इन सभी जिम्मेदारियों के बीच महिला की अपनी आकांक्षाएं और इच्छाएं दम न तोड़ दें। परिवार को स्वयं से पूछना चाहिए कि वह उसे ऐसे कौन-से अवसर दे सकता है, जिनसे वह अपने सपनों को पूरा कर सके।'' उन्होंने कहा कि इस विषय पर पुरुषों और महिलाओं दोनों में जागरुकता आवश्यक है और बदलाव की शुरुआत परिवार से ही होनी चाहिए। आरएसएस सरसंघचालक ने कहा, ''आपसे बेहतर कौन जानता है कि कड़वी दवा भी प्रेम से कैसे दी जाती है। शुरुआत वहीं से कीजिए। धीरे-धीरे वातावरण बदलने लगता है।'' पुरुषों की भूमिका पर भागवत ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए पुरुषों में भी जागरुकता लाना उतना ही जरूरी है। उन्होंने उपस्थित पुरुषों से अपील करते हुए कहा, ''मैं यहां मौजूद सभी पुरुषों से भी आग्रह करता हूं कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करें। शुरुआत स्वयं से करें। अपने घर में सही माहौल बनाएं। इसके बिना बदलाव संभव नहीं होगा।''

भागवत ने कहा कि पहले के समय में परिवार आपसी सलाह-मशविरा से चलते थे। महिलाएं परिवार की वित्तीय व्यवस्था और महत्वपूर्ण निर्णयों में प्रमुख भूमिका निभाती थीं। उन्होंने कहा कि साझेदारी की उसी भावना को फिर से जीवित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमें वही वातावरण दोबारा बनाना होगा। आज मैं' और मेरा' की भावना यानी व्यक्तिवाद अत्यधिक बढ़ गया है। हमें अपने अहंकार को नियंत्रित करना फिर से सीखना होगा और यह केवल संवाद के माध्यम से ही संभव है।'' महिलाओं की सुरक्षा पर भागवत ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। उन्होंने कहा, ''समाज को स्वयं महिलाओं के लिए खतरा नहीं बनना चाहिए....।'' महिलाएं अपनी सुरक्षा करने में सक्षम हैं, लेकिन वे समाज से सुरक्षित वातावरण की अपेक्षा करती हैं। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर भागवत ने कहा, महिलाएं हमारे समाज का आधा हिस्सा हैं। जब तक समाज का यह आधा हिस्सा अपनी पूरी क्षमता से योगदान नहीं देगा, तब तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता।

हिंदू देवी-देवताओं की जानकारी पाठ्यपुस्तकों में होनी चाहिए : भागवत

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू देवी-देवताओं के बारे में जानकारी पाठ्यपुस्तकों में शामिल किए जाने की पैरवी करते हुए कहा है कि अभिभावकों को भी अपने धर्म के बारे में बच्चों के सवालों का जवाब देने में सक्षम होना चाहिए। भागवत ने शुक्रवार को 'युगानुकूल मातृत्व' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे हिंदू देवी-देवताओं के बारे में अक्सर सवाल पूछते हैं लेकिन माता-पिता कई बार उनका जवाब नहीं दे पाते। उन्होंने कहा, ''बच्चे अक्सर आकर ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनका जवाब देना जरूरी होता है। वे पूछते हैं, इन देवता का मुख वानर जैसा क्यों है? इन देवता का मुख हाथी जैसा क्यों है?' लेकिन इसका जवाब न पिता को पता होता और ना ही मां को।'' भागवत ने कहा, ''इन बातों की जानकारी शुरू से ही पाठ्यपुस्तकों में होनी चाहिए। यह आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। हम बच्चों को जो सिखाएंगे, वे वही ज्ञान हासिल करेंगे। शुरुआती 12 वर्ष में उनका पालन-पोषण हमारे हाथ में होता है। हमें उन्हें जानकारी देनी चाहिए और इसके लिए हमें भी सीखना होगा।''

राम मंदिर में 10 दिवसीय प्रायश्चित और शुद्धिकरण अनुष्ठान पूर्णाहुति समारोह के साथ संपन्न हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी के बाद अयोध्या में राम मंदिर में 10 दिवसीय प्रायश्चित और शुद्धिकरण अनुष्ठान शुक्रवार शाम को पूर्णाहुति समारोह के साथ संपन्न हुआ। मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने यह जानकारी दी। चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद 15 जुलाई को शुरू हुआ यह अनुष्ठान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया था।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा था कि समारोह का उद्देश्य निर्धारित धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से मंदिर परिसर की पवित्रता को बहाल करना और चूक के लिए माफी मांगना था। दास ने शनिवार को कहा कि समापन पूर्णाहुति में वैदिक विद्वानों के मार्गदर्शन में मंदिर की यज्ञशाला में हवन और विशेष पूजा की गई। ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास और ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने यजमान के रूप में भाग लिया और आहुतियां दीं। इस अवसर पर एक सामुदायिक भोज का आयोजन किया गया, जिस दौरान स्थानीय ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। दास के अनुसार, 10 दिवसीय अनुष्ठान में अयोध्या और अन्य स्थानों से लगभग 70 वैदिक आचार्यों ने भाग लिया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, रुद्राभिषेक और रामार्चा पूजा की, जबकि रामलला के मुख्य पुजारी ने इस दौरान विष्णु सहस्रनाम का पाठ किया। मंदिर की पवित्रता को बहाल करने के लिए चोरी या अनुष्ठान अशुद्धता जैसी घटनाओं के बाद अपनाई जाने वाली धार्मिक परंपराओं के अनुसार, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि के निर्देश पर अनुष्ठान आयोजित किया गया था। यह समारोह राम मंदिर से प्रसाद की चोरी पर जारी विवाद के बीच हुआ है, जिसके कारण सरकार द्वारा आदेशित एसआईटी की जांच और आपराधिक कार्यवाही हुई।

वैवाहिक विवादों से जुड़े आपराधिक मामलों में ससुराल वालों को घसीटे जाने पर न्यायालय चिंतित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने वैवाहिक विवादों में ससुराल वालों को घसीटे जाने और अक्सर एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए बच्चों का इस्तेमाल किए जाने पर चिंता जताते हुए एक नाबालिग की बुआ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले को रद्द कर दिया। लड़के के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद था और 2023 में उनका तलाक हो चुका है।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री की पड़ताल किए बिना मामले को रद्द करने से इनकार करने के बंबई उच्च न्यायालय के रुख की आलोचना की। पीठ ने 23 जुलाई के अपने आदेश में कहा, यह आम बात, बल्कि एक प्रथा बन गई है कि वैवाहिक विवादों से उत्पन्न मामलों में हिसाब चुकता करने के लिए ससुराल वालों को घसीटा जाता है और अक्सर एक-दूसरे को बदनाम करने के लिए बच्चों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन हम तलाकशुदा मां द्वारा लगाए गए इन आरोपों से स्तब्ध हैं कि उसके बेटे का उसकी बुआ यौन उत्पीड़न करती है। अदालत ने कहा कि यह प्राथमिकी बदला लेने की नीयत से दर्ज कराई गई लगती है। दरअसल, इससे ठीक पहले लड़के के तलाकशुदा पिता ने अपने साले (लड़के के मामा) के खिलाफ ऐसा ही चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें मामा पर लड़के की जुड़वां बहन के उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। शीर्ष अदालत जुड़वां बच्चों की बुआ की अपील पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि बच्चे पिता के साथ हैं और मां को उसके घर पर उनसे मिलने का अधिकार प्राप्त है। मां का आरोप है कि बेटे ने उस समय यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी जब वह अपनी ससुराल में थी और उसने खुद भी ऐसा होते हुए देखा था।

जबरन धर्मांतरण मामले में पिता-पुत्री को जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शामली/भाषा। उत्तरप्रदेश के शामली जिले की एक अदालत ने शादी का झांसा देकर दवा कारोबारी का कथित रूप से जबरन धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार चांदनी कुरैशी और उसके पिता इस्लाम कुरैशी को जमानत दे दी है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश इंदर प्रीत सिंह जोश ने शुक्रवार को दोनों की जमानत याचिकाएं स्वीकार कर लीं। बचाव पक्ष के अधिवक्ता मेहरबान कुरैशी के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और चांदनी कुरैशी तथा उसके पिता को गिरफ्तार किया था।

उसने बताया कि यह कार्रवाई देवराज मलिक की शिकायत पर की गई, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उनके बेटे आयुष मलिक का जून में चांदनी कुरैशी से विवाह कराने का झांसा देकर उसका जबरन धर्मांतरण कराया गया। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि कथित धर्मांतरण उसकी संपत्ति हड़पने की साजिश का हिस्सा था। देवराज मलिक ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया था कि उनके बेटे को दिल्ली ले जाया गया, जहां कथित तौर पर जाली दस्तावेजों के आधार पर निकाह कराया गया।

जमानत का यह आदेश उस फैसले के एक महीने से अधिक समय बाद आया है, जिसमें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने यह कहते हुए चांदनी कुरैशी और इस्लाम कुरैशी की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं कि उन्हें जमानत देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता। पुलिस ने एक मौलवी सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था और सात जून को चांदनी कुरैशी तथा उसके पिता को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

सुविचार

सच्चा मित्र वही है, जो कठिन समय में साथ खड़ा रहे। मित्रता का सम्मान करें, विश्वास बनाए रखें, रिश्ते अमूल्य होते हैं।

ट्वीट

पूर्व लोकसभा स्पीकर श्री सोमनाथ चटर्जी की जयंती पर आज संविधान भवन के सेंट्रल हॉल में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। संसदीय परंपराओं को बनाए रखने, स्वस्थ लोकतांत्रिक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए उनकी पक्की प्रतिबद्धता हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

-ओम बिरला

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में 190 किलोग्राम उठाकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने और इस कॉम्पिटिशन में भारत के लिए पहला मेडल पक्का करने पर झंडू कुमार जी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं!

-भजनलाल शर्मा

कहानी

बेटा

गोविंद उपाध्याय

जब से फोन आया था। उसका मन काफी बेचैन था। हालाँकि पत्नी इस समाचार के बाद से ही बेहद उत्साहित थी। पत्नी ने अपनी डोलची तैयार करना शुरू कर दिया था। वह पत्नी की तरफ देखने लगा। उसके साँवले चेहरे पर इस समय गजब की चमक थी। माथे और गालों पर उग आयी झुर्रियाँ उम्र के तीसरे पड़ाव की तरफ इशारा कर रही थी। उसका ध्यान बार-बार फोन की तरफ जा रहा था। अभी घंटी बजेगी और वो दोनों चल देंगे। आरुषी रसोई में उनके लिए नाश्ता बनाने में व्यस्त थी।

रोज की तरह सुबह उठकर वह अखबार के साथ चाय की चुस्कियाँ ले रहा था कि तभी शांतनु का फोन आया - पापाजी मानुषी आधी रात के बाद से ही तकलीफ में है। डाक्टर साहिबा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि घबराने की बात नहीं है। आपका केस बिल्कुल नारमल है। सुबह बताती हूँ कि किस नर्सिंग होम में भर्ती कराना है। आप टेंशन न लें शुरुआत में ऐसा ही होता है...।

उसके बाद से ही मन में घबराहट होने लगी थी और वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाया। अब बस उसे शांतनु के फोन का इंतजार था कि डाक्टर साहिबा किस नर्सिंग होम को रिकमंड कर रही हैं।

मानुषी के शादी का यह दूसरा वर्ष था। वह छब्बीस साल की होने वाली थी। बस बारह दिन शेष बचा था उसके जन्म दिन का। उसे मानुषी के विवाह के लिए बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा था। सिर्फ तीन जगह उसके रिश्ते की बात चली थी। दो जगह तो शुरुआती दौर की औपचारिकताओं के बाद ही बात खत्म हो गई थी। तीसरी जगह रिश्ता पक्का हो गया। शांतनु एम.टेक. के बाद मल्टीनेशनल में इंजीनियर थे। सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सेलरी पैकेज भी अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह थी कि वह निहायत विनम्र और सभी प्रकार व्यसनों से दूर थे। शायद यही कारण था कि उसने अपने हैसियत से ज्यादा खर्च कर दिया था। जो लड़के वालों की माँग थी, उसके अतिरिक्त भी उसने बहुत कुछ दिया...। इसके बावजूद जैसा कि होता है... लड़के वालों को हमेशा कम ही लगता है। मानुषी की सास को भी शिकायत रहती कि इस शादी में उनके आशा के अनुरूप दान-दहेज नहीं मिल पाया। शुरू में मानुषी जब भी उसे बताती, विचलित हो जाता...।

उसके ऊपर तीन लाख का कर्ज था। कुछ अपने विभाग से ले रखा था और कुछ इष्ट-मित्रों से। जिसे चुकाने की चिंता हमेशा बनी रहती। कमाई का एक बड़ा हिस्सा उसी में निकल जाता। बेटी के लिए कुछ न कर पाने का अपराध-बोध भी था। शांतनु भी कहीं न कहीं अपने परिवार के साथ खड़े दिखाई देते थे।

मानुषी से तीन साल छोटी आरुषी थी। वह अभी उसके विवाह के बारे में तो कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं था।

मानुषी जब पैदा हुई थी, उसके कुछ दिनों पहले ही उसे नौकरी मिली थी। ऐसे में अम्मा ने उसके पैदा होने पर उत्साह ही दिखाया था - 'लक्ष्मी है भाई, आने के पहले पिता को सरकारी नौकरी मिल गई। बेचारा कितना परेशान रहता था। छोटी-मोटी नौकरी मिलती भी तो मेहनत ज्यादा थी और पैसा कम...। पहला फल है। क्या बेटा...? क्या बेटी...?'

मानुषी रुई के फाहे की तरह थी। गोद में उठाते समय उसके भीतर पिता होने का एक अजीब उल्लास था। वह अपनी छोटी आँखों से उसकी तरफ ताक रही थी और वह उल्लास से भरा हुआ था। उसने पत्नी की तरफ देखा। माँ बनने के गौरव उसके चेहरा भी चमक उठा था।

लेकिन आरुषी के पैदा होने पर सब कुछ विपरीत हो गया था। अम्मा की आँखों में आँसू आ गए थे - 'किस तरह मैं तीन बेटियों की शादी निपटाई हूँ, मेरी आत्मा जानती है। एक तो पहले से ही थी अब फिर लड़की...?'

पत्नी ने भी बहुत कातर नजरों से देखा था उसे। जैसे उससे कोई बड़ा गुनाह हो गया हो। उसके सूखे और पपड़िआए होंठ काँप रहे थे। पत्नी ने उसका हाथ जोर से पकड़ा था। पत्नी उससे सांत्वना चाहती थी।

वह मुस्कराने की कोशिश किया - 'क्या फर्क पड़ता है? जमाना बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।'

उसकी बातों को सुनने के बावजूद भी पत्नी की आँखों में संदेह था कि वह यह बाते सिर्फ उसका दिल रखने क लिए कह रहा है... क्योंकि हम दोनों ही बेटे की कामना कर रहे थे।

आरुषी माँ की तरह साँवली थी पर उसके नाक नक्श मानुषी से ज्यादा सुंदर थे।

लेकिन इतने सालों बाद भी कुछ नहीं बदला था। सभी कुछ यथावत था। मानुषी की शादी के बाद से तो वह काफी तनाव में आ गया था। जो लोग देखने में बहुत सीधे और सरल लगते थे। अचानक उनके चेहरों से नकाब उतरने लगे। शुरुआती छह महीनों में मानुषी जो भी बताती वह सब उसने किस्से-कहानी में ही पढ़ा था। वह घबरा जाता। आए दिन अखबारों में छपने वाली दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना की खबरें उसे और विचलित करती। पत्नी सांत्वना देती - 'आप बिना मतलब ही इतना घबरा जाते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। सामान्य लोग हैं। जितना मिल सकता है लड़की वालों से ले लो की सोच तो हमारे समाज में है ही...। आपकी लड़की को इसके लिए कोई शारीरिक यातना तो देते नहीं है। बस जुबान से उलाहना ही तो देते हैं। यह तो हर लड़के वाले करते हैं। कुछ दिन चलेगा, फिए सब कुछ सामान्य हो जाएगा। क्या आप की माता जी मुझसे नहीं बोलती थी? तब मोबाइल और फोन तो था नहीं जरा-जरा सी बात मायके तक पहुँती। अब तो दाल के तड़के में क्या-क्या डाला है उसकी खबर भी मायके में तड़के को दाल में डालने से पहले पहुँचाने का प्रचलन है। यह सब बहुत सामान्य बातें हैं। आप लड़की के बाप हैं। धैर्य रखना सीखिए...।'

मानुषी शुरू से इस शादी का विरोध कर रही थी। हालाँकि इसके पीछे कोई ठोस आधार नहीं था। तब उसे लगा था कि हर लड़की पिता की सरपरस्ती से निकलने पर ऐसा करती है। लेकिन जब मानुषी के फोन आते तो वह स्वयं को अपराधी महसूस करता। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य होने लगा था।

शांतनु का ट्रांसफर इसी शहर में हो गया था। बेटी के पास आ जाने पर उसे थोड़ा सुकून मिला। शहर एक होने के बावजूद भी वो शांतनु से बीस किलोमीटर की दूरी पर था। बीच में ट्रैफिक और शहर की खस्ता हालत सड़कें इस दूरी को और कष्टमय बना देती।

इसके बावजूद लगभग हर छुट्टी अब मानुषी उनके साथ बिताती। वह उम्मीद से थी। शांतनु के लिए यह शहर अपरचित था। इसलिए उसका झुकाव भी उसकी तरफ होने लगा था। मानुषी भी अब आजाद थी। यहाँ संयुक्त परिवार की पाबंदियाँ नहीं थी।

अब वह मानुषी की तरफ से चिंता मुक्त हो गया था। वह स्वस्थ और प्रफुल्लित नजर आती। शांतनु उसका पूरा ख्याल रखता। डाक्टर से समय-समय से चेकअप कराना। दवाइयों और खाने-पीने पर ध्यान रखना। परिवार के हर सदस्य को नए मेहमान का बेसब्री से इंतजार था।

सभी चाहते थे कि बेटा ही पैदा हो। मानुषी कहती - 'मम्मी यदि लड़का हो गया तो मुझे दुबारा इस झंझट में नहीं पड़ना होगा। और यदि लड़की हुई तो पुत्र की लालसा में एक बार फिर मुझे यह बोझ उठाना पड़ेगा। वैसे भी मेरे परिवार में लड़कियाँ बहुत है।'

शांतनु इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। हाँ! उनके परिवार के अन्य लोगों की अपेक्षा जरूर थी कि मानुषी को बेटा हो। शायद उसकी भी यही इच्छा थी।

पिछले दो महीने में मानुषी से जब मिलता वह दयनीय सी दिखती। उसे उठने बैठने में भी दिक्कत होने लगी थी। वह ईश्वर से प्रार्थना करता कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाए। शायद यही कारण था कि जब से शांतनु ने फोन किया था, उसका दिल अंदर ही अंदर घबड़ा रहा था। मानुषी की सास भी दो सप्ताह पहले उसकी देख-भाल के लिए आ गई थी।

पत्नी पास ही सोफे पर आ कर बैठ गई थी। उसे देखकर मुस्कराई - 'अब तो आप नाना बनने वाले हैं। फिर काहे इतना उदास बैठे हैं?'

वह कुछ कहने के लिए मुँह खोलता इसके पहले ही मोबाइल बजने लगा। शांतनु का ही फोन था - 'पापा जी... अहिल्या नर्सिंग होम में हैं हम लोग। सब ठीक है...। घबराने वाली कोई बात नहीं है। नार्मल डिलवरी संभव है...।'

वह पत्नी को पूरी बात बताया और घर से बाहर निकल पड़ा। घबड़ाहट और बढ़ गई थी। मोटरसाइकिल चलाने का साहस नहीं हुआ। आरुषी ने भी मना किया। वह पत्नी के साथ कुछ कदम दूर आटो स्टैंड की तरफ चल दिया।

पत्नी शांत थी। वह हमेशा सकारात्मक सोचती है। शायद इस समय भी ऐसा ही सोच रही थी। वह पिछले तीन महीने से आने वाले मेहमान के बारे में सोच-सोच कर प्रफुल्लित होती रही थी। उसके पैर के पास ही डोलची रखी हुई थी। उसमें क्या है? वह नहीं जानता। न ही जानने की कोशिश की थी।

अचानक आटो रुक गया। वह बाहर सड़क की तरफ देख रहा था। रेलवे क्रासिंग था। कोई ट्रेन आने वाली थी। दोनों तरफ जाम लगा था। यह जून का दूसरा सप्ताह था। दस बजने वाले थे। हवा गरम होने लगी थी। उसने शांतनु का मोबाइल लगाया। मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। उसने कई प्रयास किए किंतु सफलता नहीं मिली। अब वह भुनभुना रहा था। पत्नी ने उसका हाथ दबा कर सांत्वना देने का प्रयास किया।

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा। आदमी ने रजिस्टर में उसका नाम दर्ज किया और हस्ताक्षर के लिए रजिस्टर सामने बढ़ा दिया।

नीचे हाल में शांतनु मिल गए। वह किसी से मोबाइल पर बात करने में व्यस्त थे। उसे देखते ही वह फौरन बात करना बंद करके पास आ गए - 'आइए पापा जी... बधाई हो... आप नाना बन गए। बस अभी उन्हें रूम में शिफ्ट करवा कर आ रहा हूँ।'

'सब ठीक तो है न...। मानुषी कैसी है और बच्चा...?'

'हाँ... हाँ... सब ठीक है। आइए...।'

वह शांतनु के साथ हो लिया। पत्नी उसके पीछे थी। उसकी डोलची अब शांतनु के हाथ में थी। इमारत बाहर से देखने में जितनी अधूरी दिखाई दे रही। अंदर से उतनी बुरी नहीं थी। एक प्राइवेट रूम के सामने शांतनु रुक गए। उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया और मानुषी मेरे सामने थी। उसके बगल में ही रुई के फाहे जैसी छोटी सी जान इस दुनिया को टुकुर-टुकर देख रहा। मैं उसे छूना चाहता था। अचानक याद आया - 'क्या है? बेटा या बेटी...?'

शांतनु धीरे से बोलें - 'बेटी...'

कमरे में कुछ देर के लिए खामोशी छा गई। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा - 'अरे पापा जी समय बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।'

मुझे यह शब्द बेहद जाने-पहचाने से लग रहे थे।

- 'हिन्दी समय' से साभार

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सच्चा गुरु

मनुष्य अशेष विद्यार्थी है। प्रति पल कुछ घट रहा है, प्रति पल मनुष्य बढ़ रहा है। घटने का मुग्ध करता विरोधाभास यह कि प्रति पल, पल भी घट रहा है। हर पल के घटनाक्रम से मनुष्य कुछ ग्रहण कर रहा है। हर पल अनुभव में वृद्धि हो रही है, हर पल वृद्धत्व समृद्ध हो रहा है। समृद्धि की इस यात्रा में प्रायः हर पथिक सन्मार्ग का संकेत कर सकने वाले मील के पत्थर को तलाशता है। इसे गुरु, शिक्षक, माँ, पिता, मार्गदर्शक, सखा, सखी कोई भी नाम दिया जा सकता है।

विशेष बात यह कि जैसे हर पिता किसी का पुत्र भी होता है, उसी तरह अनुयायी या शिष्य, मार्गदर्शक भी होता है। गुरु वह नहीं जो कहे कि बस मेरे दिखाये मार्ग पर चलो अपितु वह है जो तुम्हारे भीतर अपना मार्ग ढूँढ़ने की प्यास जगा सके। गुरु वह है जो तुम्हें 'एक्सप्लोर' कर सके, समृद्ध कर सके। गुरु वह है जो तुम्हारी क्षमताओं को सक्रिय और विकसित कर सके। एक संत थे जिनके लिए कहा जाता था कि वे ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग जानते हैं। स्वाभाविक था कि उनके शिष्यों की संख्या में उतरोत्तर वृद्धि होती गई। हरेक के मन में ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग जानने की सुप्त इच्छा थी। एक दिन दैनिक साधना के उपरांत उनके परम शिष्य ने इस बाबत पूछ ही लिया। गुरुजी बोले, मैं तुम्हें ईश्वर तक पहुँचने के मार्गदर्शक तत्व बता सकता हूँ पर अपना मार्ग तुम्हें स्वयं ढूँढ़ना होगा।

ज्ञानी जानता है कि पुल पार करने से नदी पार नहीं होती। नदी पार करने के लिए उसमें कूदना पड़ता है। लहरों के थपेड़ों के साथ अन्य सभी आशंकाओं को भी तैरकर परास्त करना होता है। तैराकी के गुर सिखाये जा सकते हैं पर तैरते समय हरेक को अपने हिस्से की चुनौतियों से स्वयं दो-दो हाथ करने पड़ते हैं। आधुनिक परिप्रेक्ष्य में समझना चाहें तो जीपीएस लगाकर गंतव्य तक पहुँचा तो जा सकता है पर रास्ते का ज्ञान नहीं होता। रास्ता समझने के लिए स्वयं भटकना होता है। अपना रास्ता स्वयं ढूँढ़ना होता है। स्वयं की क्षमताओं को सक्रिय करना होता है। स्वयं को स्वयं ही अपना शोध करना होता है, स्वयं को स्वयं ही अपना बोध करना होता है।

ध्यान रहे कि पथ तो पहले से ही है। तुम उसका अनुसंधान भर करते हो, आविष्कार नहीं। यह भी भान रहे कि पथ का अनुसंधान करनेवाले तुम अकेले नहीं हो, असंख्य दूसरे भी अपने-अपने तरीके से अनुसंधान कर रहे हैं। सारे मार्गों का अंतिम लक्ष्य एक ही है। अत: यह एकाकार का मार्ग है। सच्चा गुरु वह है जो तुम्हें एकल नहीं एकाकार की यात्रा कराये। एकाकार ऐसा कि पता ही न चले कि तुम गुरु के साथ यात्रा पर हो या तुम्हारे साथ गुरु यात्रा पर है। दोनों साथ तो चलें पर कोई किसी की उंगली न पकड़े। यदि ऐसा गुरु तुम्हारे जीवन में है तो तुम धन्य हो। तुम्हारा मार्ग प्रशस्त है। जिनकी गुरुता ने जीवन का मार्ग सुकर किया, उनका वंदन। जिन्होंने मेरी लघुता में गुरुता देखी, उन्हें नमन।

गुरु पूर्णिमा की अग्रिम शुभकामनाएँ।

बोध कथा

चीते का दत्तक पुत्र

किसी गाँव में बूढ़े संतान विहीन पति-पत्नी रहते थे। वे बहुत ग़रीब थे। उनके पास एक अंगुल भी ज़मीन नहीं थी। वे रोज़ वन में जाते, कंदमूल खोदकर निकालते और खाते थे। बस, यही उनके जीने का सहारा था। संयोग की बात कि बुढ़ापे में पत्नी के पाँव भारी हो गए। नौ महीने बाद जंगल में कंदमूल खोदते हुए उसने बच्चे को जन्म दिया। बुढ़िया ने बूढ़े को आवाज़ दी, सुनते हो, बच्चा हुआ है। अब हम क्या करें? बूढ़े ने कहा, घर में एक दाना भी नहीं है। न कपड़े हैं न और कुछ। हमें इसे पालेंगे कैसे? बुढ़िया ने कहा, तो ठीक है, इसे यहीं छोड़ देते हैं। इसके भाग्य में लिखा होगा तो कोई इसे पाल लेगा। सो बच्चे को वहीं छोड़कर वे घर चले गए। बच्चे के रोने की आवाज़ सुनकर एक चीता वहाँ आया और उसे अपने घर ले गया। वह उसका अपने बच्चे की तरह पालन-पोषण करने लगा। वह बड़ा हुआ तो चीते को उसके ब्याह की फ़िक्र में एक दिन उसने लड़के से पूछा, कहो तो तुम्हारे लिए एक लड़की ले आऊँ?

लड़के ने कहा, जो आपकी मर्ज़ी! अगर आप मेरी शादी करना चाहते हैं तो कोई लड़की ले आइए! चीता गया और किसी लड़की के उधर से गुज़रने का इंतज़ार करने लगा। आख़िर एक लड़की आई। चीता उसे उठाकर घर की तरफ़ चल दिया। रास्ते में वह अपने पर क़ाबू न रख सका और उसका आधा कान खा गया। वह उसे लेकर घर पहुँचा और लड़के से कहा, बेटे, मैं तुम्हारे लिए एक लड़की लाया हूँ। जाओ, एक नज़र देख लो! लड़के ने बाहर जाकर देखा, अरे, इसका तो एक कान आधा ग़ायब है! वह वापस चीते के पास गया और कहा, पिताजी, मुझे आधे कान वाली लड़की नहीं चाहिए।

एक-एक कर चीता कई लड़कियाँ लाया। पर किसी का वह हाथ खा जाता तो किसी का नाक तो किसी का कान। आख़िर एक दिन लड़के ने कहा, पिताजी, मेरे लिए कोई अच्छी लड़की लाइए, पूरे शरीर वाली। सो चीता एक बार फिर गया। इस बार एक पूरी लड़की लाने के लिए। वह ऐसे घर में गया जहाँ शादी हो रही थी। वह फेरों के बीच में ही मंडप से दुलहन को उठा लाया। चीते को देखकर घराती-बराती सब भाग छूटे। इस बार चीते ने बहुत सावचेती बरती, दुलहन को सही-सलामत घर लाया और बेटे से उसका ब्याह कर दिया।

कुछ दिन पति-पत्नी बहुत सुख से रहे। एक रोज़ सब्ज़ी काटते हुए पत्नी की अंगुली कट गई। रिसते ख़ून को उसने पत्तियों से पोंछ दिया। ख़ून की गंध पाकर चीता उन पत्तियों के पास गया और उन्हें चाटा। सोचा, अगर उनके ख़ून का स्वाद इतना अच्छा है तो उनका माँस कैसा होगा! मैं उन्हें खाऊँगा। हो सकता है यह सोचते हुए उसके मुँह से कुछ निकल गया हो या उसकी आँखों की रंगत ने चुग़ली खाई हो। जो हो, पति-पत्नी समझ गए कि चीते की नीयत में खोट है। वह उन्हें खाएगा। उसी रात को वे वहाँ से रफ़ूचक्कर हो गए। सुबह चीते ने देखा कि दोनों का कहीं पता नहीं है। उनके पाँवों के निशानों के सहारे वह उनके पीछे गया।

पति-पत्नी एक पेड़ पर बैठे थे और चीते की बाट जोह रहे थे। ज्यों ही चीता पेड़ के नीचे आया लड़का तलवार लिए हुए उस पर कूदा और उसका काम तमाम कर दिया। फिर दोनों लड़की के गाँव गए। लड़के के सास-ससुर उन्हें देखकर बहुत ख़ुश हुए। उन्होंने तो सोचा था कि चीता लड़की को मारकर खा गया होगा। उस दिन से लड़का और उसकी पत्नी वहीं रहने लगे।

वीर गाथा

मेजर नितिन धानिया : आतंकवादियों को बेनकाब कर नापाक इरादे नाकाम किए

मेजर नितिन धानिया का जन्म हरियाणा के रोहतक जिले के डोभ गांव में हुआ था। माता सुनीता धानिया और पिता जय सिंह धानिया के बेटे नितिन पैराशूट रेजिमेंट की दूसरी बटालियन (स्पेशल फोर्सेस) के जांबाज योद्धा हैं। 13 दिसंबर, 2021 को, नितिन को दक्षिण कश्मीर के एक इलाके में सेना के काफिले पर आतंकवादी हमले को रोकने के लिए सर्जिकल ऑपरेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने दोपहर लगभग डेढ़ बजे दो आतंकवादियों का पता लगाया, जो आम नागरिकों के वेश में थे।

आतंकवादी किसी भी समय हमला कर आम लोगों को भी भारी नुकसान पहुंचा सकते थे। इसलिए नितिन ने उनका जल्द खात्मा करने का इरादा किया। उन्होंने आतंकवादियों को चुनौती दी। इसके बाद आतंकवादियों ने उन पर ऑटोमैटिक हथियारों से गोलीबारी की।

मेजर नितिन और उनके साथी ने तेजी से धावा बोला और एक आतंकवादी को वहीं उलझाए रखा। उन्होंने उसे ढेर कर दिया। बाद में पता चला कि वह 'ए प्लस' श्रेणी का खतरनाक आतंकवादी था। इसके बाद, मेजर नितिन आगे बढ़े। दूसरा आतंकवादी हमला करने की फिराक में था। उन्होंने गोलीबारी कर उसे धराशायी कर दिया। वह 'ए श्रेणी' का आतंकवादी था।

मेजर नितिन ने असाधारण साहस, वीरता और अटूट हिम्मत के साथ अपना कर्तव्य निभाया। उन्होंने आतंकवादियों के नापाक इरादों को नाकाम कर सैकड़ों देशवासियों की जान बचाई। मेजर नितिन धानिया को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को बुखारेस्ट में अपनी रोमानिया की राजकीय यात्रा के अंतिम दिन 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रोमानिया में भारतीय समुदाय की सराहना की, भारत का सच्चा प्रतिनिधि बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comz

बुखारेस्ट (रोमानिया)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि रोमानिया में भारतीय समुदाय के लोग भारत के ''सच्चे प्रतिनिधि'' हैं, जिनकी उपलब्धियां नई दिल्ली की प्रगति में योगदान देती हैं और दुनिया भर के देशों के साथ इसके संबंधों को मजबूत करती हैं। भारतीय समुदाय के लिए यहां आयोजित एक स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि भारत-रोमानिया संबंधों का सबसे मजबूत आधार दोनों देशों के लोगों के बीच का करीबी रिश्ता है। राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे यह देखकर खुशी है कि रोमानिया में भारतीय समुदाय एकजुट है और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए है।'' उन्होंने रोमानिया की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों और पेशेवरों के योगदान की सराहना की तथा कहा कि भारतीय आईटी इंजीनियरों, विद्वानों, शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और छात्रों की एक नई पीढ़ी अब रोमानिया को अपना घर बना रही है।

मुर्मू ने कहा, ''मुझे यह देखकर खुशी है कि भारतीय कंपनियां और भारतीय पेशेवर रोमानिया के विकास में अहम योगदान दे रहे हैं और साथ ही हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर भी पैदा कर रहे हैं।'' राष्ट्रपति मुर्मू बृहस्पतिवार को राजकीय यात्रा पर यहां पहुंचीं।

तीन दशकों से भी ज़्यादा समय में किसी भारतीय राष्ट्र प्रमुख की इस यूरोपीय देश की यह पहली यात्रा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''रोमानिया की अर्थव्यवस्था और समाज में आपका योगदान, और यहां भारतीय संस्कृति तथा मूल्यों को बढ़ावा देने की आपकी कोशिश, आपको भारत का सच्चा प्रतिनिधि बनाती हैं।'' देश के प्रवासी समुदाय की सराहना करते हुए मुर्मू ने कहा कि भले ही वे भारत से दूर रहते हैं, लेकिन वे अपनी मातृभूमि से गहराई से जुड़े हुए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''आपकी उपलब्धियां और भारत के प्रति आपका प्रेम हर भारतीय को गौरवान्वित करता है।'' यह उल्लेख करते हुए कि भारत और रोमानिया के बीच सहयोग पहले से कहीं अधिक व्यापक और गतिशील है, मुर्मू ने कहा, ''हमारी सरकारें सतत विकास विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोशिशों, आतंकवाद रोधी उपायों और नियमों पर आधारित शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने जैसे बड़े वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम कर रही हैं।'' इस साल जनवरी में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप मिलने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे जल्द लागू करने से रोमानिया सहित यूरोपीय संघ के सभी सदस्य देशों के साथ व्यापारिक संबंध काफी बढ़ेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा जैसे उभरते क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। दर्शकों में 'रोमानियाई फ्रेंड्स ऑफ़ इंडिया' की मौजूदगी का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय कला और संस्कृति के प्रति उनका लगाव तथा भारत के साथ उनका आध्यात्मिक जुड़ाव एक अहम सेतु का काम करता है, जो दोनों देशों के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि रोमानिया ने दुनिया को कई बेहतरीन कलाकार, संगीतकार, लेखक और दार्शनिक दिए हैं। मुर्मू ने कहा, ''भारत ने हमेशा विविधता, बातचीत और ज्ञान की खोज को महत्व दिया है। यह देखकर खुशी होती है कि रोमानिया में योग, आयुर्वेद, भारतीय नृत्य, संगीत, सिनेमा और खान-पान लोकप्रिय हो रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि आज भारत नए आत्मविश्वास और पक्के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है तथा दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

एअर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट के संदिग्ध के हत्यारे को एक अन्य मामले में 15 साल की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comz

टोरंटो/भाषा। कनाडा की एक अदालत ने एअर इंडिया कनिष्क बम विस्फोट मामले के एक संदिग्ध की हत्या के लिए पहले से सजायाफ्ता व्यक्ति को हत्या के एक अन्य मामले में 15 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। यह जानकारी मीडिया की एक खबर में दी गई है। 'कनाडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' (सीबीसी) की शुक्रवार की खबर के अनुसार, सुपारी लेकर हत्या करने वाले टैनर फॉक्स (25) को ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड निवासी चाड कोलिवस (40) की हत्या का दोष स्वीकार करने के बाद बुधवार को सजा सुनाई गई।

पुलिस के अनुसार, 21 मार्च 2022 को कोलिवस को उनके घर में गोली मार दी गई थी। गंभीर रूप से घायल कोलिवस की बाद में मौत हो गई।

फॉक्स को 2023 में लैटिटिया एसेरा (31) के साथ गिरफ्तार किया गया था। एसेरा ने घर में अवैध रूप से घुसने का अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसे चार वर्ष के कारावास और दो वर्ष की निगरानी की सजा सुनाई गई। वहीं, फॉक्स ने इस वर्ष अप्रैल में हथियार के साथ हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया था। कोलिवस की हत्या के चार महीने से भी कम समय बाद, 14 जुलाई 2022 को फॉक्स ने सिख कारोबारी एवं 1985 में हुए एअर इंडिया फ्लाइट 182 कनिष्क'' बम विस्फोट मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल रिपुदमन सिंह मलिक की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित एक व्यावसायिक परिसर में अपनी टेस्ला कार में बैठा था। यह आतंकवादी हमला कनाडा में सक्रिय सिख अलगाववादियों ने अंजाम दिया था। इस हमले में 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश और 22 भारतीय नागरिकों सहित विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई थी।

भारतीय तैराक राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचने में विफल रहे

ग्लास्गो/भाषा। भारतीय तैराकों का शनिवार को राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें धक्षन शशिकुमार और आर्यन नेहरा दोनों ही पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। शशिकुमार ने 'टोलक्रॉस स्विमिंग सेंटर' में आयोजित 400 मीटर फ्रीस्टाइल की हीट में 27 तैराकों के बीच 3:58.09 मिनट का समय लेकर 15वां जबकि आर्यन नेहरा ने 4:00.26 मिनट के साथ 16वां स्थान हासिल किया। तीसरी हीट में उतरे शशिकुमार ने प्रतियोगिता के मध्य तक सातवें स्थान पर पहुंचकर उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम चरण में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सके और फाइनल में प्रवेश से वंचित रह गए।

राष्ट्रमंडल खेल

ग्लासगो, स्कॉटलैंड में राष्ट्रमंडल खेल के दौरान शनिवार को टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन के खिलाफ महिला युगल लॉन बॉल्स मैच के दौरान भारत की रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह।

ई-रिक्शा चलाने, सब्जी बेचने से लेकर देश के लिए मेडल जीतने तक का सफर, झंडू बोले- मेहनत का फल मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.comz

ग्लासगो । भारत के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीते ब्रॉन्ज मेडल को अपनी वर्षों की मेहनत और लगन को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा चलाने और सब्जियां बेचने जैसे मुश्किल सफर ने सफल होने के उनके इरादे को और मजबूत किया। पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के कुछ ही देर बाद भावुक झंडू ने 'आईएएनएस' को बताया कि उन्हें हमेशा से भरोसा था कि उनकी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। झंडू ने कहा, मैंने अपना गुजारा करने के लिए ई-रिक्शा चलाया, सब्जियां बेचीं और बहुत संघर्ष किया। हालांकि, मैंने अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा। मुझे हमेशा विश्वास था कि एक दिन मैं अपने देश के लिए जरूर मेडल जीतूंगा।

दो अलग-अलग ग्रुप में हुई इस स्पर्धा में झंडू ने ग्रुप बी में 130.9 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को स्पष्ट अंतर से पीछे छोड़कर पदक की दावेदारी मजबूत की। हालांकि, कुल संयुक्त स्टैंडिंग में नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने 132.8 के सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने 131.0 के लिफ्ट के बूते सिल्वर मेडल जीता, जबकि झंडू

का 130.9 का प्रयास उन्हें ब्रॉन्ज मेडल जिताने के लिए काफी साबित हुआ। झंडू सिल्वर मेडल जीतने से महज 0.1 प्वाइंट पीछे रह गए।

प्लेटफॉर्म पर उनके शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ उनकी प्रेरणादायक कहानी भी चर्चा का विषय रही, जिसने गेम्स में भारत के लिए मेडल जीतने वाले इस खिलाड़ी के पीछे छिपे साहस और दृढ़ संकल्प को उजागर किया। झंडू का ब्रॉन्ज मेडल वर्षों के त्याग और लगातार कड़ी मेहनत का इनाम है, जिसमें उन्होंने आर्थिक तंगी का सामना करते हुए भी अपने खेल के सपनों को पूरा करना जारी रखा।

झंडू ने इस मेडल के साथ ही ग्लासगो में भारत का मेडल टैली में खाता भी खोला। साधारण पृष्ठभूमि से उभरते हुए झंडू की यह सफलता एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अपनी उपलब्धि पर बात करते हुए झंडू ने कहा कि यह मेडल सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उन सभी का है जिन्होंने मुश्किल दिनों में उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि इस सफलता ने उन्हें भविष्य में और बड़े सम्मान हासिल करने के लिए प्रेरित किया है।

जश्न

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद टंट्या भील (भंवरकुआं चौराहा) चौराहे पर जश्न मनाते छात्र।

अमेरिका ने ईरान में नहीं किया कोई नया हमला, तनाव बरकरार

काहिरा/एपी। ईरान में लगातार दो सप्ताह से जारी अमेरिकी बमबारी के बीच शनिवार रात कोई हमला नहीं हुआ। हालांकि, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरुमध्य पर नियंत्रण को लेकर स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन करमानपुर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान में रात ''शांतिपूर्ण रही'' और किसी हमले की खबर नहीं मिली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड से टिप्पणी के लिए अनुरोध किया गया, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, पिछले 13 दिनों के विपरीत, उसने नए हमलों के बारे में जानकारी नहीं दी। सऊदी नागरिक सुरक्षा बल के अनुसार, शनिवार तड़के सऊदी अरब के यनबू और जीज़ान प्रांतों में कई बार सायरन बजे, जहां लाल सागर के निकट महत्वपूर्ण तेल ठिकाने मौजूद हैं। बल ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि सायरन एक संभावित ''खतरे'' के कारण बजे थे। बहरीन में भी शनिवार तड़के मिसाइल अलर्ट जारी किए गए, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ओमान की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर गोलीबारी की थी।

अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने 8 साल बाद सोशल मीडिया पर की वापसी

मुंबई/एजेन्सी

बीते जमाने की लोकप्रिय अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने आठ साल के लंबे ब्रेक के बाद सोशल मीडिया पर वापसी की है। शनिवार को अभिनेत्री ने अपनी इस वापसी की जानकारी देते हुए एक खास पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर डिजिटल माइक्रो ड्रामा सीरीज 'डोंट मेस विद माई ग्रैंडमा' के बिहाइंड-द-सीन्स की झलक शेयर की। क्लिप में कास्ट और क्रू के सदस्य अभिनेत्री के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, मुझे मिस किया था? इंस्टाग्राम से पूरे 8 साल के ब्रेक के बाद अब मैं वापस आ गई हूं। वापसी का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि मैं आपको अपने नए शो की शूटिंग की कुछ खास झलकियां दिखाऊं। मुझे 'डोंट मेस विद माई ग्रैंडमा' में देखिए। यकीन मानिए इस दादी से

पंगा लेना आसान नहीं है।उन्होंने एक्टर-डायरेक्टर करणवीर बोहरा को भी टैग किया है।

2019 में फिल्मी दुनिया से दूर जाने से पहले अरुणा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मेगास्टार अमिताभ बच्चन को उनके जन्मदिन पर विश किया था।डिजिटल माइक्रो ड्रामा सीरीज 'डोंट मेस विद माई ग्रैंडमा' सावित्री ओबेरॉय नाम की एक बुजुर्ग महिला और उसकी पोती के इर्द-गिर्द घूमती है। हार्ट सर्जरी के बाद अस्पताल से लौटने पर सावित्री और उनकी पोती को उनके पोते की एक लालची मंगेतर (तान्या मल्होत्रा) साधारण और गरीब समझकर जलील करती है। उसे इस बात का अंदाजा नहीं होता कि वे दोनों उसी रईस परिवार के सदस्य हैं, जिससे वह जुड़ना चाहती है।दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने मुख्य किरदार 'सावित्री ओबेरॉय' की भूमिका निभाई है। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री अदा खान ने इसमें 'तान्या मल्होत्रा' का नकारात्मक और लालची किरदार निभाया है। अरुणा ईरानी की बात करें तो उन्होंने साल 1961 की फिल्म 'गंगा जमुना' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी, गुजराती और कई रीजनल भाषाओं में 500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। अभिनेत्री ने सहायक कलाकार के तौर पर ही दर्शकों के दिलों में जगह बनाई।

बाढ़ प्रभावित असम को मदद की जरूरत : भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

असम में पिछले कुछ समय से बाढ़ के कारण हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। इस बड़ी आपदा को देखते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए लोगों से मदद की अपील की। भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीएक डियो जारी किया, जिसमें वह असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आने की अपील करती नजर आ रही हैं। जारी किए गए वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, नमस्ते, देश में इस समय जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में हम सभी जानते हैं। मैं लोगों के जोश और एकजुटता को सलाम भी करती हूं, लेकिन देश का एक हिस्सा ऐसा भी हैं, जिसे इस समय हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है और वह असम। उन्होंने असम के हालातों के बारे में बताते हुए कहा, असम इस समय भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है। वहां के हालात इतने खराब है कि 7.5 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा है। अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पूरे के पूरे गांव बाढ़ में बह गए हैं। पशु भी बह गए हैं। लोगों ने अपनी मेहनत की सारी कमाई और घर-बार खो दिया है। अभिनेत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादातर लोग बात ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जैसे पिछले साल पूरा देश पंजाब, जम्मू, बिहार और महाराष्ट्र के लोगों की मदद के लिए आगे आया था। ठीक उसी तरह सभी लोग असम के साथ खड़े हों। उन्होंने कहा, उस समय आप सभी ने राहत सामग्री और जरूरत की चीजें भेजकर मानवता का शानदार उदाहरण पेश किया था।

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है : निहारिका चौकसे

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। आईएएनएस से बात करते हुए निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही

कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं।

रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।

विशिष्ट भावों से की गई आराधना ही आत्मा का वास्तविक उद्धार करती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित श्री संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्य भगवंत कुलबोधिसूरिश्वरजी म. ने शनिवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सुख इस भव को सुधारता है, जबकि सद्गुण भवो-भव को सुधारते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसार में दो प्रकार के मार्ग हैं-एक सुख का और दूसरा सद्गुणों का। मनुष्य किस मार्ग को अपनाता है, यह उसकी मानसिकता पर निर्भर करता है। आचार्यश्री ने कहा कि अधिकांश लोग धन, परिवार, प्रतिष्ठा और भौतिक सुखों की वृद्धि चाहते हैं, परंतु बहुत कम लोग गुरु से यह आशीर्वाद मांगते हैं कि उनके जीवन में संयम, सद्गुण और आत्मिक उन्नति बढ़े। यदि सुखों के प्रति ममत्व समाप्त हो जाए तो संसार का बंधन स्वतः हल्का हो जाता है। इसलिए जीवन में सुख नहीं, बल्कि सद्गुणों की वृद्धि का आशीर्वाद मांगना चाहिए। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि मनुष्य ने इंद्रियों के सुख का आनंद तो बहुत लिया है, अब एक बार सद्गुणों के आनंद का भी अनुभव करके देखे। उसमें सांसारिक सुखों से कहीं अधिक शांति और आनंद प्राप्त होता है। चौदह नियमों को धारण करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि उनके पालन से जीवन में असीम आत्मिक आनंद का अनुभव होता है।

आचार्यश्री ने कहा कि सीढ़ी शरीर को ऊपर चढ़ाती है, संपत्ति मन को ऊपर उठाती है, लेकिन सद्गुण आत्मा को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। आनंदघनजी महाराज द्वारा बताए गए तीन गुण अभय, अद्वेष और अखेद का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि इन तीन चरणों पर चलने वाला साधक परमात्मा की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हो जाता है। उन्होंने कहा कि अद्वेष तभी संभव है जब जीवन में अभय हो और दोषों का क्षय होते-होते अखेद का उदय हो।

उन्होंने आत्ममंथन का संदेश देते हुए कहा कि जिस उत्साह से मनुष्य पाप और संसार के कार्यों में जुटता है, क्या उसी उत्साह से धर्म और आराधना में भी प्रवृत्त होता है? प्रतिक्रमण में जो आत्मिक आनंद मिलता है, वह किसी की आलोचना करने में कभी नहीं मिल सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बाबा श्याम का दरबार

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित खाटू श्याम मन्दिर पर देवशयनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को बाबा श्याम का ताजे फूलों से मनोरम श्रृंगार किया गया। देवशयनी एकादशी के उपलक्ष्य में सुबह से मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने को मिली। सभी ने कतारबद्ध होकर बाबा के दर्शन किए। शाम को स्थानीय भजन गायकों ने मंदिर प्रांगण में भजनों की प्रस्तुति दी और उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया।

मनिंदर जीत सिंह बिट्टा ने आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजमान पद्मश्री आचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी के दर्शनार्थ अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के चेयरमैन मनिंदरजीत सिंह बिट्टा गोड़वाड़ भवन पहुंचे। बिट्टा ने जैन संतों के त्याग, तप, अहिंसा और समाजोत्थान के लिए किए जा रहे प्रेरणादायी कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें जैन संस्कृति के प्रमुख तीर्थों के दर्शन-वंदन का अवसर प्राप्त हुआ। आचार्य नित्यानंद सूरीश्वरजी ने मनिंदरजीतसिंह बिट्टा के राष्ट्र सेवा के जज्बे की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के शेर हैं। उन्होंने कहा कि अनेक आतंकी हमलों का सामना करने के बावजूद बिट्टा कभी अपने राष्ट्रप्रेम और देशसेवा के संकल्प से विचलित नहीं हुए। उनका साहस और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है।इस अवसर पर गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के कुमारपाल सिसोदिया, रमेशकुमार चांदावत, गौतम के. मेहता, राजेश राठौड़, प्रवीण कुमार चांदावत, महीपाल सुराणा, विमल गांग, किरण कांकरिया, निर्मल धोका, अशोक बंबोली, लालचंद सेमलानी, सुमति राठौड़ सहित अनेक सदस्यों ने बिट्टा का स्वागत किया।

रजत द्वारा अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) के अनुकम्पा कार्य के तहत मेगा अन्नदानम किया गया। इंदरचंद आनंदी छाजेड़ की 35वीं सालगिरह और इंदरचंद छाजेड़ के जन्मदिन के मौके पर डॉ. नमन, मनीषा, सलोनी छाजेड़ द्वारा स्टेनली हॉस्पिटल के पास 1000 मरीजों व उनके परिचारकों को बादाम दूध के साथ नाश्ता वितरण किया गया। अनुकंपा चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी ने कहा कि अन्नदान महादान है, किसी जरुरतमंद को भोजन कराने का लाभ सर्वश्रेष्ठ हैं। राधेश्याम मूँधड़ा परिवार की तरफ से अक्षया ट्रस्ट को 40 किलो चाय की पत्ती दी गई। माधोलाल गणपत कोठारी परिवार द्वारा स्व. शांतीकंवर कोठारी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में एमसी रोड स्थित मोनेगार वृद्धाश्रम में नास्ता व बिस्कुट पाकेट दिए गए। स्व. जवरीलाल विलमा देवी समदडिया की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में गणपतराज समदडिया द्वारा सुलै स्थित सेवा चक्र आश्रम के बच्चों को नास्ता एवं रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुए दी गई।

उत्तमचंद समदडिया परिवार के सहयोग से मैलापुर स्थित काकुम करंगल वृध्दाश्रम में नाश्ता, और दो समय का भोजन कराया गया साथ ही स्टील की प्लेट व गिलास जैसी जरूरत की वस्तुएं दी गई। गौतमचंद समदडिया परिवार द्वारा चेतपेट स्थित गर्ल्स हॉस्टल में अनाथ लड़कियों को शाम के भोजन के साथ पेन, पेपर व अन्य स्कूल में उपयोगी चीजें दी गई। दर्शना कोठारी की स्मृति में ज्ञानचंद विशाल कोठारी परिवार द्वारा काटपाडी की विकलांग महिला को व्हीलचेयर दी गई। इन सभी पुनीत सेवा कार्यों में चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, कोचेयरमैन हनुमान सुकलेचा, गणपत कोठारी व दिलीप बोहरा, संयोजक सुमेरचंद बैद तथा अनेक कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर मानव सेवा में अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया।

शक्ति का अकूत भंडार, पराक्रम और शौर्य का प्रतीक है युवा : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने प्रवचन में युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा शक्ति ऊर्जा शक्ति का अकूत भंडार है जिनके कंधों पर देश का उज्ज्वल भविष्य टिका हुआ है। जब युवा करवट लेता है, तो क्रांतिकारी इतिहास का निर्माण करता है। युवाओं के बिना विकास की योजनाएं बनाई जाए, वह सब उल्टे मटके पर पानी डालने के समान है।

संतश्री ने युवा पीढ़ी को फैशन और व्यसन से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उससे संस्कारों का पतन, चरित्र का नाश और धन की बर्बादी हो रही है।

शहीदों ने देश के लिए खून बहा कर शहादत दी है, अब युवाओं को देश के विकास व सुरक्षा के लिए पसीना बहाने का संकल्प लेना होगा। संत कमल मुनिजी के सान्निध्य में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व युवाओं के नाम पर समर्पित किया जाएगा। मुनिश्री के सान्निध्य में आयोजित रैली के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर हल्लदकेरी संघ के अध्यक्ष सुभाषचंद दरड़ा, सचिव बुधमल बाघमार कोषाध्यक्ष गौतम सांखला, युवा संगठन के अध्यक्ष नवरतन दरला, पूर्व अध्यक्ष राजन बाघमार, मनोहर सांखला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

औद्योगि भ्रमण दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो बेंगलूरु के महिला व्यवसाय रेफरल समूह स्वयम-वी कनेक्ट द्वारा जयनगर स्थित मोडीकेयर लिमिटेड का औद्योगिक भ्रमण किया। चन्द्रा मेहता के नेतृत्व में इस भ्रमण में 35 सदस्याओं ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वयम-वी कनेक्ट की रेफरल प्रमुख सीए सुखदेवी जैन, रेफरल प्रभारी प्रज्ञा सेठी तथा रेफरल सचिव मोक्षा सोलंक सहित अन्य सदस्याओं ने मोडीकेयर के उत्पादों की जानकारी ली।

अग्रफेस्ट अंतर विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । यहां शुक्रवार को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया के नेतृत्व में अग्रफेस्ट अंतर विद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अग्रवाल विद्यालय के छात्र हिस्सा नहीं लेते केवल बाहरी विद्यालयों को प्रधानता दी जाती है ताकि अधिक से अधिक छात्रों को प्रोत्साहित किया जा सके। इस कार्यक्रम में चेन्नई के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मुख्यअतिथि सामग्री निर्माता सुश्री सुष्मिता अग्रवाल वाधवा ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक अध्यक्ष छात्रा हीर अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। छात्रा रिया ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। तत्पश्चात वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव ने पुष्प गुच्छ, प्रिंसिपल विजयलक्ष्मी ने शॉल ओढाक़र तथा संयुक्त संवाददाता एवं सांस्कृतिक अध्यक्ष शालिनी अग्रवाल ने उपहार भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे लिए पढ़ाई जितनी जरूरी है उतना ही जरूरी है विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेना प्रतियोगिता में हार या जीत मायने नहीं रखती है प्रतियोगिता में भाग लेना ही सबसे बड़ी बात होती है।

विद्यालय के छात्राओं ने उद्घाटन नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के ऑन स्टेज एवं ऑफ स्टेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं विजेता छात्रों को पुरस्कृत कर उनका प्रोत्साहन बढ़ाया गया। अंत में बृजलाल चौधरी रोलिंग कप की ट्रॉफी कोला सरस्वती वैष्णव सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने प्राप्त की। इस कार्यक्रम में विद्यालय के समिति सदस्य मुकेश गुप्ता, मनोहर लाल बगाड़िया, शारदा अग्रवाल, शिक्षकगण, अभिभावक तथा छात्रों ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

मंच का संचालन छात्रा प्रियांशी छाजेड़ एवं छात्र लितिश कुमार ने किया। सांस्कृतिक अध्यक्ष याशिका जैन के धन्यवाद ज्ञापित किया।

समीक्षा-2026 में जीतो साउथ लेडीज़ विंग को प्राप्त हुए अनेक पुरस्कार व सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा समीक्षा-2026 का आयोजन हरिद्वार में किया गया जिसमें विभिन्न चैप्टरों के कार्यों की समीक्षा की गई तथा पुरस्कार दिए गए। इसी श्रृंखला में जीतो साउथ चैप्टर लेडीज विंग ने पब्लिक रिलेशंस एवं सोशल मीडिया तथा जेआईआईएफ एवं जे-पॉइंट वर्टिकल में प्रथम रनर अप पुरस्कार, टूर वर्टिकल में भी सेकंड रनर्स अप, सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले उड़ान बी2सी तथा सक्षम ज्ञान वर्टिकल के अंतर्गत 26 प्रभावशाली आयोजनों के लिए द्वितीय रनर-अप पुरस्कार, महिलाओं के लिए विभिन्न एआई कक्षाओं, कौशल विकास एवं वित्तीय साक्षरता के जरिए सशक्त बनाने तथा श्रमण आरोग्यम के अंतर्गत गुरुओं के वैयावच्च सेवा के लिए भी चैप्टर को प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महिलाओं के लिए समर्पित ऑल-वुमन बिजनेस नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म स्वयम वी-प्रेन्योर्स को भी विशेष पहचान मिली। साउथ विंग को गूगल द्वारा सामुदायिक सहभागिता के लिए सर्वश्रेष्ठ साइबर शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केकेजी ज़ोन ने वर्ष 2024-26 में सर्वाधिक सदस्यता वृद्धि के लिए प्रथम रनर-अप पुरस्कार प्राप्त किया। समीक्षा 2026 में चेन्नई के दो चैप्टर्स के बाद जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ ने सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई। साउथ लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने अपनी पूरी मैनेजमेंट कमेटी सदस्याओं को इन पुरस्कारों का वास्तविक हकदार और टीम का असली सुपरस्टार बताया। यह सफलता केवल पुरस्कारों का संग्रह नहीं, बल्कि सामूहिक भावना, प्रतिबद्धता और एक साथ मिलकर सकारात्मक बदलाव लाने के विश्वास का उत्सव है। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर लेडीज विंग के अनेक सदस्याएं व राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित थीं।

जन्म से जैन होने से अधिक कर्म से जैन होना महत्वपूर्ण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। फीलखाना स्थित महावीर भवन में वर्षावास कर रहे जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने शनिवार को उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि सन्मार्ग का अनुसरण करने के लिए धर्मशास्त्रों में 35 गुणों का रोचक निरूपण किया गया है। ये गुण मानवीय जीवनमूल्यों और व्यवहारिक जगत के औचित्यपूर्ण आचरण के परिचायक हैं। जो इन गुणों से परिष्कृत नहीं है, उसके साधक-आराधक बनने का कोई अर्थ नहीं है। यानी सर्वप्रथम इन 35 गुणों को आत्मसात करने के बाद ही किसी मनुष्य के धार्मिक होने की प्रक्रिया प्रारंभ होती है।

आचार्यश्री ने कहा कि जैन कुल में जन्म लेना ही काफी नहीं है, जैनत्व के संस्कारों और उसकी परंपराओं को समझना भी जरूरी है। जन्म से जैन होना अलग बात है और जैनत्व की शिक्षाओं को समझकर कर्म से जैन बनना बहुत महत्वपूर्ण है। जन्मजात जैन तो लाखों हो सकते हैं, पर जो कर्म से जैन होते हैं, वे जीवन को सफल कर देते हैं। जैनत्व की छोटी-बड़ी हजारों शिक्षाएं हैं, जो मनुष्य के विचारों, भावनाओं, कार्यों और निर्णयों को गहराई से प्रभावित करती हैं। उन्हीं से प्रेरित होकर भूतकाल में लाखों क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य और क्षुद्र जैन सिद्धांतों का परिपालन करने लगे थे। जैनत्व की शिक्षाओं को सुनने, सीखने और समझने के लिये साधु-संतों के वर्षावास आयोजित किए जाते हैं। ये दिखावे के लिए नहीं, जीवन परिवर्तन के लिए होने चाहिएं।मनुष्य का जीवन उन्नत बने, वहीं वर्षावास की वास्तविक सफलता है। जैनत्व मनुष्य को मैत्री, सद्भवना, अहिंसा, प्रमाणिकता, संयमित जीवन, सदाचार, क्षमा आदि की शिक्षाएं देता है। इनके बगैर जैन होने का अर्थ सिद्ध नहीं होता। इसी अर्थ में जन्म से जैन होने से अधिक महत्वपूर्ण है, कर्म से जैन होना। वह जीवन की भव्यता और प्राप्त शक्ति की सफलता है। जो सम्प्राप्त अपने सामर्थ्य का सदुपयोग नहीं करता, वह जीवन को व्यर्थ कर रहा समझो।

सहयोग दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर इंटरनेशनल चेन्नई गोल्ड सेन्टर के तत्वावधान में महावीर इंटरनेशनल अपैक्स के दिशा निर्देश अनुसार आरोग्य परियोजना के तहत 'स्वस्थ माँ स्वस्थ शिशु' के अंतर्गत शुक्रवार को ताम्बरम् के सरकारी अस्पताल में बेबी किट एवं सैनेटरी नेपकिन नवजात शिशुओं के परिजनोंको वितरित किए। इस कार्यक्रम में चेयरमैन महेन्द्र गुणवंती पगारिया, वाइस चेयरमैन प्रवीण नीता कुम्भट, सचिव नरेन्द्र खाँटेड, कोषाध्यक्ष बसन्त बरड़िया, उम्मेद बाफना, नारायणलाल सीरवी, कनगी, लीशा, अस्पताल के स्टॉफ आदि का सहयोग रहा। वहीं गर्मी से राहत देने के लिए पब्लिकरनै में फुटकर आइटम बेचने वाली महिलाओं को गर्मी और बारिश से राहत देने के लिए छतरी भेंट की।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की 41वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा की अध्यक्षता में हुआ। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने सान्निध्य प्रदान कर कहा कि इस चातुर्मास काल में सभी श्राविकाएं आध्यात्मिकता की ओर विकास करें और जप, तप आराधना कर अपनी आत्मा को निर्मल बनाएं। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। संविधान वाचन कांता लोढ़ा ने किया। मंत्री विजेता रायसोनी द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष सीमा श्रीमाल ने आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। कन्या मंडल की सदस्याओं ने 'मर्यादा अपनी पहचान' विषय पर प्रस्तुति दी। संचालन सहमंत्री विनीता मरोठी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.